वर्षः 7- अंकः 175, मुंबई, मंगलवार, 5 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

पुढच्या वर्षी...
आएंगे एक महीने लेट

सूचना

गणपति विसर्जन के कारण हमारा कार्यालय आज 5 सितंबर 2017 को बंद रहेगा। अतः हमारी मुलाकात अब 7 सितंबर 2017 को होगी।

-संपादक

ऐ दिल है मुस्लिम

कॉमन सिविल कोड थोपा नहीं जाएगाः नकवी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में अपनी जगह बनाने वाले इकलौते मुस्लिम मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि तीन तलाक को लेकर सरकार की जीत का मतलब यह नहीं है कि अब देश में जल्दी ही कॉमन सिविल कोड लाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री के तौर पर सोमवार को अपने ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में चार्ज लेने के बाद नकवी ये बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि कॉमन सिविल कोड देश के ऊपर थोपा नहीं जाएगा और इसे लाने के लिए पहले आम राय बनाने की कोशिश की जाएगी। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

गौरक्षा के नाम पर बंद हो हिंसा

गणपती बाप्पा मोरया
• मलाई मोदक
• लड्डू मोदक
शुद्ध घी की
बूंदी ₹ 360/- 260/-Kg.
24th Aug. to 5th Sept. Only
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
www.mmmithaiwala.com

मुस्लिम देश के नोट पर गणेश जी की फोटो
(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

सिक्स पैक एब्स बना रही हैं प्रियंका
(समाचार पृष्ठ 12 पर)

छम्मक छल्लो पर 1 रुपया जुर्माना

मुंबई। महाराष्ट्र की एक कोर्ट ने महिलाओं के लिए 'छम्मक छल्लो' शब्द इस्तेमाल किए जाने को अपराध माना है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि इस शब्द से महिलाओं की बेइज्जती होती है। ठाणे कोर्ट के मजिस्ट्रेट ने दोषी को दिनभर की सजा सुनाई और 1 रुपए का जुर्माना भी लगाया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

क्या है मामला?: *9 जनवरी, 2009 को महिला ने शिकायत में बताया था कि पति के साथ मॉर्निंग वॉक से लौटते वक्त सीढ़ियों पर रखे एक कूड़ेदान से उसे ठोकर लग गई थी, जिसे उनके पड़ोसी ने रखा था। इसके बाद पड़ोसी के साथ उनकी कहा-सुनी हुई। बहस के दौरान आरोपी ने महिला के लिए कई बार छम्मक छल्लो शब्द का इस्तेमाल किया। महिला ने यह भी बताया-पड़ोसी के कहे गए शब्दों से मेरे आत्मसम्मान को ठेस पहुंची। कई दिनों तक मैं दुखी और परेशान रही। फिर मदद के लिए पुलिस के पास गई, लेकिन पुलिस ने इस मामले की शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मैंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।*

स्वाभिमानी शेतकारी संगठन एनडीए सरकार से बाहर

मुंबई। *महाराष्ट्र का स्वाभिमानी शेतकारी संगठन (एसएसएस) केंद्र की एनडीए सरकार से बाहर हो गया है। एसएसएस के पास केवल एक सांसद हैं और महाराष्ट्र में उसके एक एमएलसी थे, जिन्हें फिलहाल पार्टी से बाहर कर दिया गया है। एसएसएस ने जिस एमएलसी सदाभाऊ खोत को पार्टी से बाहर किया है वह महाराष्ट्र सरकार में कृषि राज्य मंत्री हैं। पार्टी के एकमात्र सांसद राजू शेट्टी हतकानांगल संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। शेट्टी ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस से मिलकर अपने पार्टी के एनडीए से बाहर जाने की जानकारी दी।*

हम नहीं सुधरेंगे

मसूद पर बैन नहींः चीन

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के डिक्लरेशन में भले ही जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान जैसे आतंकी संगठनों का नाम आया हो लेकिन चीन अब भी आतंकी मसूद अजहर पर रवैया बदलने तैयार नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के स्पोक्सपर्सन ने कहा- जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हक्कानी नेटवर्क का नाम ब्रिक्स के ज्वॉइंट डिक्लरेशन में इसलिए आया क्योंकि ये संगठन इस इलाके में हिंसा फैलाते हैं। इस बयान के मायने ये हुए कि चीन पहले भी मसूद अजहर पर यूएन बैन के खिलाफ था और अब भी है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'सामना' में शिवसेना का बीजेपी पर हमला
पता नहीं कौन जोकर राजा बन जाए

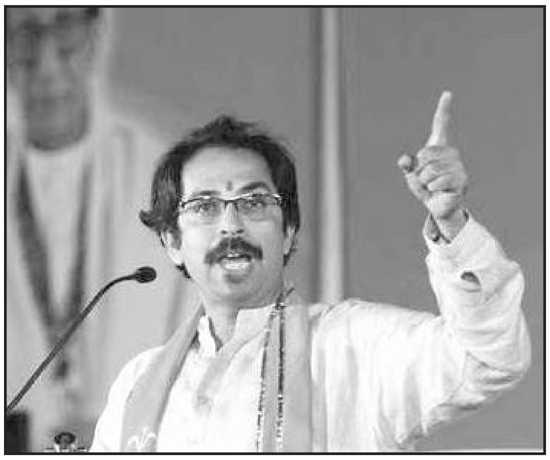

मुंबई। एनडीए की सहयोगी शिवसेना ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला है। सोमवार को मुखपत्र 'सामना' में लिखे संपादकीय में मोदी सरकार की कमियां गिनाते हुए हमला बोला गया है। रविवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के बहु प्रतीक्षित विस्तार पर शिवसेना ने साफ नाराजगी जताई है। मंत्रिमंडल फेरबदल में 9 नए चेहरों को शामिल किया गया था। लेख में कहा गया है कि अबतक कोई भी मंत्री जनता की आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है। देश को अभी भी 'अच्छे दिन' का इंतजार है। लेख में मोदी सरकार तंज करते हुए कहा गया है कि पता नहीं कब कौन जोकर राजा बन जाए।

संपादकीय आगे लिखता है, 'नोटबंदी पूरी तरह असफल रही। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। आज भी भोजन और आवास की सुविधा सभी को नहीं मिली। मुंबई के विश्वविद्यालयों की उदासीनता के कारण छात्र और उनके अभिभावक मुश्किल में हैं। बिहार, असम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश में बाढ़ के कारण हालात खराब हैं। सरकारी अस्पतालों में बच्चे मर रहे हैं। कौन से मंत्रालय ने किस समस्या का समाधान किया है?'

संपादकीय में मंत्रिमंडल विस्तार पर भी सवाल उठाया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा से पहले हड़बड़ी में मंत्रिमंडल में फेरबदल करने की बात कही गई है। लेख में बीजेपी पर करारा प्रहार किया गया है, 'मंत्रिमंडल विस्तार प्लेइंग कार्ड के समान है। इसमें कोई नहीं जानता कब कौन जोकर राजा बन जाए। हम पीएम मोदी की चीन यात्रा और कैबिनेट विस्तार की बात भी नहीं समझ पाए हैं। ऐसा क्यों किया गया? क्या चीन इस बात से नाराज हो जाता अगर पीएम मोदी के पास नए मंत्रियों की सूची नहीं होती। पीएम चीन यात्रा के बाद भी मंत्रिमंडल में फेरबदल कर सकते थे।' लेख में कहा गया है कि केंद्र में 3 साल गुजारने के बाद भी पीएम मोदी कैबिनेट में प्रयोग कर रहे हैं। देश आज भी 'अच्छे दिन' का इंतजार कर रहा है। लेख में कहा गया है, 'यह बीजेपी का कैबिनेट विस्तार है। वह हो चुका है।' इधर ऐसी भी खबरें हैं कि शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे मंत्रिमंडल विस्तार में शिवसेना को शामिल नहीं किए जाने से नाराज बताए जा रहे हैं। जब शनिवार को उनसे इस फेरबदल के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने कहा था, 'हमें कोई कॉल नहीं आई है। कोई बात नहीं हम सत्ता के भूखे नहीं हैं।'

यूजीसी ने तैयार किया शोध में नकल रोकने के लिए कानून का मसौदा

मुंबई। केंद्रीय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी और उच्च शिक्षा में नकल रोकने के लिए एक कानून का मसौदा तैयार किया है। इस मसौदे पर 30 सितंबर तक लोगों से सुझाव मंगाए गए हैं। इसमें विद्यार्थियों को दंड का प्रावधान है। अगर इसी मसौदा के अनुरूप कानून बनता है, तो शोध और उच्च शिक्षा के विद्यार्थी पूर्व शोधों की नकल नहीं कर पाएंगे। यूजीसी की तरफ से यह पहल उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए की जा रही है।

यूजीसी ने शोध और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने और शोध में नकल को रोकने के लिए एक समिति गठित की थी। इसके बाद समिति ने तमाम अध्ययन करने के बाद एक मसौदा तैयार किया। इस मसौदे में शोध में नकल रोकने के लिए एक व्यवस्था तैयार करने की बात कही गई है, जिसमें यह देखा जाएगा कि अगर किसी विद्यार्थी की थीसिस किसी पूर्व शोध किए विद्यार्थियों से मिलती है, तो उसकी जांच कर विद्यार्थियों को फिर से लिखने का निर्देश देगा। इसमें तीन स्तर बनाए गए हैं।

पहले स्तर पर उन विद्यार्थियों को रखा जाएगा, जिनकी थीसिस पूर्व शोधों से 10 से 40 फीसदी मिलती है। इन्हें नकल किए गए भाग को निकालकर सुधारित प्रति जमा

करने के लिए छह महीने का समय दिया जाएगा। दूसरे स्तर में 40 से 60 फीसदी और तीसरे स्तर में 60 फीसदी से अधिक नकल करने वाले विद्यार्थियों को रखा जाएगा। दूसरे स्तर के विद्यार्थी को सुधारित प्रति जमा करने के लिए अधिकतम 18 महीने का समय दिया जाएगा, लेकिन जो विद्यार्थी अपनी थीसिस में 60 फिसदी से अधिक नकल किए पाए जाएंगे, उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। मुंबई विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा के जनसंपर्क अधिकारी विनोद मलाले ने कहा कि इस मसौदे के अमल में आने पर उच्च शिक्षा में नई खोज को बढ़ावा मिलेगा।

म्हाडा निवासियों के लिए दक्षिण मुंबई में संक्रमण शिविर

मुंबई। म्हाडा उपकर प्राप्त इमारतों में रहने वाले निवासियों को संक्रमण शिविर के लिए दक्षिण मुंबई से दूर नहीं जाना होगा, क्योंकि म्हाडा दक्षिण मुंबई में ही संक्रमण शिविर बनाने की तैयारी में है। इसके लिए म्हाडा ने राज्य सरकार को जमीन अधिग्रहण संबंधी प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव में उसने दक्षिण मुंबई स्थित मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की 100 एकड़ जमीन की मांग की है। इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

संक्रमण शिविरों का दूर होना बड़ी समस्या- दक्षिण मुंबई में म्हाडा की 16000 उपकर प्राप्त इमारतें हैं, जो कई दशक पुरानी हैं। इनमें से कई बेहद जर्जर अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत और पुनर्वसन का काम नहीं हो पा रहा है, क्योंकि इमारतों के निवासी अपना घर छोड़कर संक्रमण शिविरों में जाने से इंकार कर रहे हैं। इससे उनकी जान को हमेशा जोखिम बना रहता है। म्हाडा के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अक्सर निवासियों की शिकायत रहती है कि म्हाडा के संक्रमण शिविर दक्षिण मुंबई से कोसों दूर हैं। इसके अलावा एक बार इन शिविरों में गए तो 2-3 पीढ़ियां निकल जाती हैं, लेकिन निवासियों को नया घर नहीं मिलता है। इसलिए निवासी इमारत खाली करने को कतराते हैं। इस समस्या से निवासियों को निजात दिलाने के लिए म्हाडा ने दक्षिण मुंबई में ही संक्रमण शिविर बनाने का निश्चय किया है। इसके लिए हमने राज्य सरकार को मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की 100 एकड़ जमीन संक्रमण शिविरों के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा है। ज्ञात हो कि अभी हाल ही में भिंडी बाजार स्थित पकमोडिया रोड पर स्थित हुसैनी इमारत के धराशायी होने से 33 लोगों की मौत हो गई थी। इस इमारत को म्हाडा ने 2011 में जर्जर घोषित किया था। लेकिन निवासियों द्वारा इमारत को खाली नहीं किए जाने से इसका पुनर्वसन न हो सका। एक बड़ा हादसा हो गया।

दक्षिण मुंबई में संक्रमण शिविर बनाने के लिए म्हाडा को जमीन मिल सके इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मिल कर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर चर्चा की जाएगी।

रविंद्र वायकर, राज्य गृहनिर्माण मंत्री

बॉक्स

उपकर प्राप्त इमारतों की संख्या - 19642

रहने योग्य इमारतों की संख्या - 14256

बंद हो जाएगी 1 रुपये में इलाज की व्यवस्था!

मुंबई। रेलवे स्टेशनों पर जल्द ही 1 रुपये में इलाज की सुविधा बंद हो सकती है। इस बारे में 1 रुपी क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. राहुल घुले ने रेलवे को एक पत्र लिखकर सूचित किया है। उन्होंने शिकायत की है कि रेलवे ने क्लिनिक को अभी तक 11 स्टेशनों पर स्थान नहीं दिया है, जबकि इसके लिए डिपॉजिट दिया जा चुका है। ऐसे में वन रुपी ने अपनी सेवाएं बंद करने का फैसला किया है। तीन दिन के अंदर यह सेवा बंद कर दी जाएगी। क्लिनिक का दावा है कि मरीजों को बगैर किसी दिक्कत के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जबकि उपचार संबंधित एक भी शिकायत क्लिनिक या रेलवे को नहीं मिली है। बता दें कि इसी साल मैजिक दिल और सेंट्रल रेलवे के आपसी सहयोग से सेंट्रल और हार्बर लाइन के 8 स्टेशनों पर 1 रुपी क्लिनिक की शुरूआत की गई थी। इसका उद्घाटन तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने किया था। इसकी शुरूआत 10 मई को घाटकोपर स्टेशन से हुई थी। चरणबद्ध तरीके से इसे 19 स्टेशनों पर शुरू किया जाना था। डॉ. राहुल घुले का कहना है कि रेलवे ने उनसे 19 स्टेशनों के लिए 19 लाख रुपये डिपॉजिट के रूप में ले लिए। फिर भी अभी तक केवल 8 स्टेशनों पर क्लिनिक शुरू करने के लिए जगह मुहैया कराई गई। अभी दादर, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, मुलुंड, वाडाला रोड, वाशी और मानखुर्द स्टेशनों पर वन रुपी क्लिनिक पर सेवाएं दी जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो जल्द ही वन रुपी क्लिनिक की शुरूआत स्लम इलाकों में होने जा रहा है। इसके लिए फिलहाल 4 जगहों को चुना गया है। मिली जानकारी के मुताबिक रमाबाई आंबेडकर नगर, धारावी, बेहरामपाड़ा और कुरार विलेज में इसकी शुरूआत की जाएगी। विशेषज्ञों की मानें, तो सरकारी अस्पतालों में लंबी कतार और प्राइवेट में लगने वाले अधिक शुल्क के बीच का विकल्प बना वन रुपी क्लिनिक से आम लोगों को काफी मदद मिल रही थी। रेलवे और मैजिक दिल के आपसी तकरार के चलते बंद क्लिनिक का बंद होना वाकई दुखद है। अब तक की उपलब्धि

115 दिन चले 1 रुपी क्लिनिक।

20,000 लोगों का उपचार किया गया।

6,000 पैथलॉजिकल जांच की गई।

1 प्रसव कराया गया।

200 ऐसे लोगों की जान बचाई गई, जो ट्रेन दुर्घटना का शिकार हुए।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301, इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड, मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पुलिस कांस्टेबल की गुंडागर्दी कैमरे में कैद

डिस्काउंट न देने पर पिट गया बार मैनेजर

मुंबई। शहर से सटे ठाणे में एक पुलिस कांस्टेबल की गुंडागर्दी कैमरे में कैद हुई है। यहां एक कांस्टेबल ने एक बार में घुस उसके मैनेजर और कैश काउंटर पर बैठे शख्स की पिटाई कर दी। कैमरे में पुलिसवाले की हरकत कैद हो जाने के बाद अब आलाधिकारियों ने इस मामले की जांच का आदेश दे दिया है। बार मालिक ने इस मामले में सीएम को भी शिकायती पत्र भेजा है। जानकारी के मुताबिक, कलावा के सायब बार और रेस्टोरेंट में हुई यह घटना 27 अगस्त की है। लेकिन इसका वीडियो कल सामने आया है। वीडियो में पुलिस कांस्टेबल प्रवीण संखे बार के मैनेजर और कॅश काउंटर पर बैठे एक युवक की बेरहमी से पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। 27 अगस्त को कांस्टेबल प्रवीण संखे कलवा के सायबा बार में बैठ शराब पी रहे थे। वे तकरीबन 2200 रुपए की शराब पी गए। जब वेटर उनके पास बिल लेकर पहुंचा तो कांस्टेबल ने उससे डिस्काउंट मांगा। जिसे बार के मैनेजर ने मना कर दिया। बिल पर डिस्काउंट ना देने से तिलमिलाए कांस्टेबल प्रवीण संके ने कैश काउंटर पर बैठे आदमी और मैनेजर की शराब के नशे में बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। कांस्टेबल की पिटाई से डरे वेटर चुपचाप खड़े होकर तमाशा देखते रहे।

इस घटना के बाद बार के मालिक उमेश करकेरा ने कांस्टेबल प्रवीण संके के खिलाफ पुलिस कमिश्नर ऑफिस, कलवा पुलिस स्टेशन और सीएम के पास शिकायत भेजी है। लेकिन अभी तक कांस्टेबल के ऊपर कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है।

खतरनाक इमारतों का पुनर्विकास करने समय सीमा तय करेगी सरकार: मेहता

मुंबई। भिंडी बाजार के हुसैनी इमारत हादसे से सबक सीखते हुए राज्य सरकार ने खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास के लिए समय सीमा तय करने का फैसला किया है। अब बिल्डरों के लिए ढाई से तीन सालों में इमारत का पुनर्निर्माण जरूरी कर दिया जाएगा। इसके लिए सरकार कानून में जरूरी सुधार करेगी। खतरनाक इमारतों के मालिक जल्दी इसके पुनर्निर्माण की इजाजत नहीं देते। इस परेशानी को दूर करने के लिए कानून में सुधार किया जाएगा। अगर मालिक ने 90 दिनों के भीतर पुनर्विकास की मंजूरी नहीं दी तो म्हाडा इमारत को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर देगी। गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता ने कहा कि म्हाडा विज्ञापन के जरिए बिल्डरों से पुनर्विकास से जुड़ा प्रस्ताव मंगवा कर निर्माण कार्य कराएगी। हुसैनी इमारत हादसे के बाद गृहनिर्माण विभाग सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को मेहता ने गृहनिर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय कुमार और म्हाडा के व्यवस्थापकीय संचालक मिलिंद म्हैस्कर के साथ खतरनाक इमारतों के पुनर्निर्माण से जुड़ी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खतरनाक घोषित की गई इमारतों के पुनर्विकास ढाई से तीन साल में करने से जुड़ा एक प्रस्ताव आठ दिन में तैयार किया जाए जिसे मुख्यमंत्री के सामने पेश किया जाएगा। मेहता ने बताया कि लोगों को भरोसा नहीं होता कि घर खाली करने के बाद उन्हें निश्चित समय में दोबारा घर मिल जाएगा। लोगों को भरोसा दिलाना जरूरी है। अधिकारियों को पुनर्विकास से जुड़ी नीति स्पष्ट करने से जुड़ा प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है।

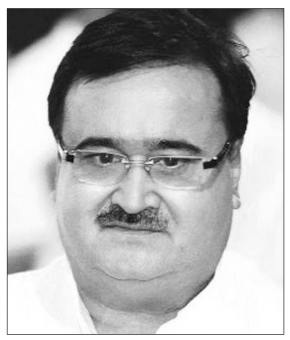

दो हजार जर्जर इमारतें

मुंबई शहर और उपनगरों में जर्जर इमारतों की संख्या करीब दो हजार है। मेहता ने बताया कि सिर्फ भिंडी बाजार में ही 250 से ज्यादा इमारतें ऐसी हैं, जो 80 साल से ज्यादा पुरानी हैं। इन इमारतों में चार हजार 221 परिवार रहते हैं। इनमें से 23 इमारतें खतरनाक हैं जिनमें से एक हजार 800 परिवारों को बाहर निकाला गया है।

गणपति विसर्जन हेतु विशेष लोकल ट्रेन

मुंबई। गणपति विसर्जन के दौरान मुंबईकर यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा 5 एवं 6 सितम्बर, 2017 के बीच की मध्यरात्रि के दौरान चर्चगेट और विरार स्टेशनों के बीच चार जोड़ी विशेष लोकल ट्रेनें चलाई जायेंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि डाउन दिशा में पहली विशेष लोकल ट्रेन चर्चगेट से 01.15 बजे प्रस्थान करेगी एवं 02.50 बजे विरार पहुँचेगी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।

(9619102478)

भिंडी बाजार स्थित 5 जर्जर इमारतों को तोड़ने का मनपा ने लिया निर्णय

दुर्घटना के बाद जाएगी मनपा, संबंधितों को भेजा नोटिस

मुंबई। भिंडी बाजार स्थित हुसैनी इमारत के ढहने की दुर्घटना के बाद मनपा नींद से जाग गयी है। इस घटना से सबक लेते हुए इस परिसर की पुरानी खतरनाक 5 इमारतों को तोड़ने का निर्णय मनपा ने लिया है। जिसके संदर्भ में रहिवासियों को इमारत जल्द खाली करने की नोटिस भेजी गयी है।

गौरतलब है कि भिंडी बाजार स्थित हुसैनी इमारत के ढह जाने से लगभग 33 लोगों की मौत हुई थी। इस दुर्घटना के बाद एक बार फिर पुरानी खतरनाक इमारतों के संदर्भ में मनपा ने कमर कस ली है। इसी परिसर में लगभग 100 वर्ष से भी अधिक इमारतों का तांता लगा है। ऐसी जर्जर और खतरनाक इमारतों को तोड़ने का मनपा द्वारा निर्णय लिया गया है। ताश के पत्तों की तरह ढही हुसैनी इमारत के करीब स्थित लगभग 4 से 5 इमारतों को जल्द ही तोड़ा जाएगा। जिससे इन इमारतों को खाली करने के संदर्भ में संबंधितों को नोटिस भेजी गयी है। वहीं रहिवासियों द्वारा स्थलांतरण करने से इंकार किये जाने पर पुलिस बल का उपयोग किया जाएगा। इमारत खाली कर संबंधित रहिवासियों को चूनाभट्टी स्थित ट्रांजिट कैंप में स्थलांतरित किया जाएगा। इससे बच्चों की स्कूल, कॉलेज आदि में परेशानी होने से रहिवासी द्वारा इंकार किया जा रहा है। बता दें कि दक्षिण मुंबई में लगभग 14 हजार खतरनाक इमारत है जिसमे से ढाई हजार इमारतों का जल्द ही पुनर्विकास किया जाना आवश्यक है। पुरानी इमारत होने से इन इमारतों के रहिवासियों को जल्द स्थलांतरित करने के लिए म्हाडा द्वारा काम शुरू किया गया है। हुसैनी इमारत दुर्घटना की पृष्ठभूमि पर लगभग सवा दो हजार इमारतों के रहिवासियों को स्थलांतरित करना पड़ेगा जिसके लिए प्रशासन द्वारा काम शुरू किये जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है।

राशन ब्लैक करते पकड़ा गया बीजेपी नगरसेविका का भाई!

उल्हासनगर। उल्हासनगर की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नगरसेविका रेखा ठाकुर के भाई ललित ठाकुर को कल्याण की कोलसेवाड़ी पुलिस ने राशन ब्लैक करने के आरोप में हिरासत में लिया है। ललित ठाकुर सरकारी राशन की दुकान चलाता है और उसी राशन को ब्लैक में बेचता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नगरसेविका के पिता पूर्व कांग्रेसी नगरसेवक अशोक ठाकुर भी यही धंधा करते थे। अब उनके पुत्र ललित ठाकुर इसको आगे बढ़ा रहे हैं। बहरहाल खबर लिखे जाने तक ललित ठाकुर के कोलसेवाड़ी पुलिस थाने में मौजूद होने की बात बताई गई है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा सरकार में पंजीकृत एवं जो एमसीजीएम वेंडर में भी पंजीकृत हो ऐसे ठेकेदारों को 2 काम के लिए अंदाजित रु 1455344.00 की निविदा के लिए आमंत्रित किया जाता है। बोलीदाता को 1 लाख रुपए की कार्यों की प्रदर्शन की गारंटी देकर आवश्यक जानकारी व ई निविदा की प्रक्रिया के लिए वेबसाइट www.mcgm.gov.in की मुलाकात करनी होगी।

सही/-
जनसंपर्क अधिकारी

पीआरओ/929/एडीवी/2017/18

जल जीवन का अनमोल रतन इसे बचाने का करो जतन।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)

(9619102478)

हमारी बात

योग्यता को पुरस्कार

केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और उसमें नए चेहरों के प्रवेश एवं उन्हें दी गई जिम्मेदारी से यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि योग्यता को पुरस्कृत किया गया है। पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, निर्मला सीतारमण और मुख्तार अब्बास नकवी की कैबिनेट मंत्री के रूप में पदोन्नति यही बताती है कि इन सभी ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बेहतर ढंग से किया है। यह बेहतरी नजर भी आ रही है। इन चारों मंत्रियों में निर्मला सीतारमण का रक्षा मंत्री पद पर आसीन होना न केवल उनकी काबिलियत को प्रोत्साहन है, बल्कि महिलाओं के आगे बढने का एक ठोस प्रमाण भी। यह एक बड़ी बात है कि वह पहली महिला रक्षा मंत्री का दायित्व संभालने जा रही हैं। उनके रक्षा मंत्री बनने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की सबसे ताकतवर मानी जाने वाली सुरक्षा समिति में अब सुषमा स्वराज के साथ निर्मला सीतारमण भी नजर आएंगी। जिन अन्य मंत्रियों को पदोन्नति मिली है उनमें राज्यवर्धन राठौड़ और संतोष गंगवार का नाम उल्लेखनीय है। इसके अतिरिक्त जिन मंत्रियों को किसी मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार मिला है उनके बारे में भी यह कहा जा सकता है कि वे अपनी छाप छोड़ने में समर्थ रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जो नौ नए चेहरे आए हैं उनमें चार वे हैं जिन्होंने एक सक्षम नौकरशाह के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। आरके सिंह, सत्यपाल सिंह, हरदीप सिंह पुरी और ए. कन्ननथनम का मंत्रिमंडल में शामिल होना यह रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री योग्य साथियों की तलाश में थे। एक ओर जहां यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल करने और पुराने मंत्रियों को पदोन्नति देने के मामले में योग्यता और दक्षता को प्राथमिकता दी गई है वहीं यह कहना कठिन है कि बेहतर प्रदर्शन न कर पाने वालों को मंत्रिपरिषद से बाहर करने अथवा उनका कद घटाने का काम सही तरीके से किया गया है। ऐसा लगता है कि मंत्रिमंडल में जातीय-क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के चलते उम्मीदों पर खरे न उतरने वाले मंत्रियों को सही संदेश देने से बचा गया। कहीं ऐसा इसलिए तो नहीं कि अभी मंत्रिमंडल में एक और विस्तार अथवा फेरबदल संभावित है? जो भी हो, यह उम्मीद की जाती है कि प्रधानमंत्री ने अपने सभी नए और पुराने मंत्रियों को बेहतर ढंग से कार्य करने के साथ-साथ कसौटी पर खरा उतरने के लिए कहा होगा। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि मोदी सरकार के तीन साल पूरे हो चुके हैं और जो शेष कार्य होने हैं उसके लिए अब मुश्किल से दो वर्ष का समय बचा है। स्पष्ट है कि मंत्रिपरिषद के सदस्यों के सामने एक चुनौती है। यह चुनौती इसलिए और अधिक बढ़ गई है, क्योंकि आम जनता को जमीन पर वैसे सुधार अथवा सुधार के लिए उठाए गए कदमों का समुचित प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा है। यह सही है कि मोदी सरकार ने पिछले तीन वर्षों में अनेक उल्लेखनीय ढांचागत सुधार किए हैं और कुछ ऐसे ही अन्य सुधार आने वाले समय में संभावित हैं, लेकिन इस सबके बावजूद इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह इस तरह करना होगा कि आम जनता की नजरों में वे परिणाम दे सकने वाले मंत्री के रूप में नजर आएं।

चीन को पाक से दूर करने का वक्त

यह अच्छा ही हुआ कि डोकलाम विवाद टल गया और भारत और चीन, दोनों ने अपनी-अपनी सेनाएं वापस बुला लीं। जो लोग जोश में बढ़ चढ़कर सरकार को यह समझा रहे थे कि चीन को सबक सीखा देना चाहिए, मैं ऐसे लोगों के विचारों से कतई सहमत नहीं हूं। सबसे पहले तो किसी भी देश से युद्ध अपने आप में एक घातक कदम होता है। युद्ध के बाद उस देश की अर्थव्यवस्था तबाह हो जाती है और उसका खामियाजा उसके नागरिकों को भुगतना पड़ता है। आज तक कोई राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री युद्ध के बाद के बाद हुए चुनाव में सत्ता हासिल नहीं कर पाया। चाहे वह सीनियर बुश हों जिन्होंने इराक में हमला बोला या फिर 1971 के बाद इंदिरा गांधी। हर एक युद्ध के बाद, हर देश की अर्थव्यवस्था इतनी चौपट हो जाती है कि उसे संभाल पाना उस सरकार के लिए मुश्किल हो जाता है। चीन से युद्ध तो और भी घातक परिकल्पना है। यह सही है कि 1962 के मुकाबले पिछले 55 सालों में हम भी मजबूत हुए हैं, लेकिन चीन हमसे कई गुना ज्यादा मजबूत है। आज उसकी अर्थव्यवस्था अमेरिका से ज्यादा बड़ी है। उसके पास सैन्य साजो-सामान और आर्थिक क्षमता कई गुना ज्यादा है। उससे युद्ध यदि भारत के किसी फायदे में हो तो सोचा जा सकता है, लेकिन भूटान की जमीन के लिए अपनी नाक अड़ा कर उससे भिड़ जाना और युद्ध तक स्थिति को पहुंचा देना समझदारी की बात नहीं थी। मैं भारतीय कूटनीतिज्ञों, विदेश मंत्रालय के अफसरों की सराहना करना चाहूंगा कि उन्होंने समय रहते स्थिति को भांपकर इस टकराव को टाल दिया। भारतीय मीडिया का एक वर्ग और चीनी मीडिया तो पूरी तरह आमादा थे कि कैसे टकराव को बढ़ावा जाए। चीन से तो रोज ही बढ़-चढ़कर बयान आ रहे थे। एक दिन तो दोनों ओर के सैनिकों में पत्थरबाजी भी हो गई, लेकिन विदेश सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीन में हमारे राजदूत गोखले ने स्थिति की नजाकत को भांपते हुए एक रास्ता निकाला। चीन भी ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर समझौते के पक्ष में था इसलिए उसने भी भारत की रखी शर्त को मान लिया।

सबसे पहले भारत को यह तय करना पड़ेगा कि पाकिस्तान और चीन में किससे खतरा ज्यादा है? पाकिस्तान तो बहुत चालाकी से यह चाह रहा है कि भारत से चीन को भिड़ा दे। पाकिस्तान को पता है कि वह भारत से किसी भी मायने में न तो जीत सकता है और न ही बराबरी कर सकता है। इसलिए उसकी यही चाहत थी कि भारत और चीन की ठन जाए और दोनों में युद्ध हो जाए। वह इसमें ही अपना फायदा देख रहा था। उसके हिसाब से तो सांप भी मरता और लाठी भी नहीं टूटती। हमें पाकिस्तान के बुने जाल में नहीं फंसना चाहिए। उलटे हमें चीन से ऐसे रिश्ते रखने चाहिए ताकि वह पाकिस्तान से अपनी नजदीकी का मोह छोड़े। सबको मालूम है कि आज चीन और पाकिस्तान का जो रिश्ता है वह वैसा ही है जैसा पहले अमेरिका और पाकिस्तान का होता था। अमेरिका एक समय पाकिस्तान को हरसंभव मदद देता था। 1985 में राजीव गांधी ने वाशिंगटन यात्रा के बाद अमेरिका से रिश्ते ठीक करने शुरू किए और उसके बाद पीवी नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे और आगे बढ़ाया। वाजपेयी जी ने क्लिंटन के साथ विशेष रिश्ता कायम करके भारत-अमेरिका को नजदीक लाने का सफल प्रयास किया। उस दौरान तीन लोगों की खास भूमिका रही। ये हैं जसवंत सिंह, नरेश चंद्रा और स्ट्रोव टालबोट। बाद में मनमोहन सिंह ने भी परमाणु करार के जरिये इसे और पुख्ता कर दिया। उनके बाद नरेंद्र मोदी ने भी इसी नीति को आगे बढ़ाया और आज हालत यह है कि अमेरिका पाकिस्तान को सुधर जाने की चेतावनी दे रहा है। इससे खिसियाया पाकिस्तान अमेरिका के खिलाफ जमकर बयानबाजी कर रहा है और वहां की जनता अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। हमें चीन के साथ भी कूटनीतिक रूप से कुछ ऐसा ही

करना चाहिए कि वह पाकिस्तान के साथ अपनी जरूरत से ज्यादा मित्रता को कम करे और भारत से मित्रता को और बढ़ाए। चीन ने खुद को व्यापारी देश में ढाल लिया है। उसके लिए व्यापार महत्वपूर्ण है। वह भी युद्ध जैसी चीजों में फंसकर अपना वक्त और पैसा बर्बाद नहीं करना चाहता है। भारत से बढ़िया व्यापारिक मित्र उसे कौन मिल सकता है। बशर्ते वह साफ दिल से भारत को गले लगाए और सीमा विवाद को ठंडे बस्ते में डाल दे। पिछले दिनों संसद में विदेश नीति पर अपने भाषण में मैंने यही कहा था कि वन बेल्ट-वन रोड सम्मेलन में भारत को जाकर अपनी बात रखनी चाहिए थी। उसका बहिष्कार नहीं करना चाहिए था, क्योंकि बांग्लादेश, नेपाल सभी उसमें शामिल हुए थे। भारत इस सम्मेलन में जाकर भी सीपैक यानी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का विरोध कर सकता था। हमें इस गलियारे को समर्थन नहीं देना चाहिए। हमें तो वन बेल्ट-वन रोड के उतने हिस्से का लाभ लेना चाहिए जिसमें हमें फायदा हो। यदि हम विरोध नहीं करेंगे तो चीन तो अपना काम पूरा करेगा ही और इसके चलते पाकिस्तान से और नजदीक होगा। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने इसका अलग अर्थ निकाल कर मेरे बयान को संसद में मुद्दा बनाया और कहा कि मैं चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का समर्थन कर रहा हूं। मेरा मकसद वन बेल्ट-वन रोड के सम्मेलन में अपनी बात रखने से था। सोचिए यदि भारत एक ऐसा देश बन जाए जिसके रिश्ते अमेरिका से भी अच्छे हों और रूस के साथ-साथ चीन से भी अच्छे हों तो आम जनता को कितना फायदा मिलेगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। होशियार कूटनीतिज्ञ सबसे रिश्ते अच्छे बनाकर फायदा लेता है, न कि युद्ध की आग में कूदकर अपने आप को जलाता है। चीन से युद्ध का परिणाम कुछ भी होता, लेकिन उसके बाद अर्थव्यवस्था में आग लग जाती। 500 रुपये लीटर पेट्रोल-डीजल होता। अनाज, खानेपीने का सामान और अन्य वस्तुओं की कीमतें आसमान छू जातीं। जीडीपी गिरकर दो प्रतिशत रह जाती। भयानक बेरोजगारी होती, सीमाओं पर क्या होता, इसका भी सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए यह अच्छा ही हुआ कि समय रहते भारत और चीन दोनों ने कूटनीति और समझदारी का परिचय देते हुए इस टकराव को टाल लिया और उन लोगों के बहकावे में नहीं आए जो फर्जी जोश दिलाकर जंग में कूदने को उकसा रहे थे। ब्रिक्स सम्मेलन एक महत्वपूर्ण आर्थिक मंच है, जहां हमें चीन को पाकिस्तान से अलग करने का काम करना चाहिए। देश की सुरक्षा और आर्थिक मजबूती के लिए हमें ऐसे कदम उठाने ही चाहिए।

बाढ़ पीड़ितों का दर्द

सूबे के पूर्वी और उत्तरी जिले फिर प्रलयंकारी बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य सरकार इसे कोसी से ज्यादा भयंकर बाढ़ करार दे चुकी है। प्रारंभिक आकलन दस हजार करोड़ से ज्यादा के नुकसान का लगाया गया है। सरकारी आंकड़े भले कुछ कहें, बाढ़ पांच सौ से ज्यादा जिंदगी लील चुकी है। पूरा देश बिहार में बाढ़ की विभीषिका से चिंतित है। हर राज्य से मदद के लिए हाथ उठ रहे हैं। ऐसे में अगर बाढ़ पीड़ितों की मदद में लगे सरकारी तंत्र में गड़बड़ी की शिकायतें मिलती हैं तो यह आश्चर्यजनक और पीड़ादायक है। इसकी हर हाल में पड़ताल की जानी चाहिए। एक राजनीतिक दल ने इस बात की तस्दीक की है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत बांटने के नाम पर कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और बिचौलिए पीड़ितों से रिश्वत की मांग रहे हैं। इस दल के अगुवा खुद उसी क्षेत्र के हैं जहां बाढ़ ने कहर ढाया है इसलिए उनकी बातों को नजरंदाज भी नहीं किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि बाढ़ पीड़ितों से घूस मांगने वालों का वीडियो बनाया जाए, पकड़े जाने पर उन्हें बंधक बनाकर सजा देने की जरूरत है और ऐसे लोगों को पीटने वालों को वह इनाम देंगे। वैसे उनका यह संदेश अनुचित है, क्योंकि राज्य सरकार और उसके मुखिया नीतीश कुमार का संकल्प भ्रष्टाचार मुक्त समाज की स्थापना करना है, इस दिशा में पूरी मशीनरी सक्रिय है। हालांकि किसी भी बड़ी दुर्घटना और आपदा में शरारती तत्वों का सक्रिय होना कोई नई बात नहीं है। जब कहीं बड़ी रेल दुर्घटना होती है तो यह शिकायतें आती हैं कि पुलिस-प्रशासन पीड़ितों की मदद करने के बजाए उनके रुपये-पैसे, जेवर और कीमती सामानों को छीनने-बटोरने में लगा रहा। इसी तरह भूकंप या बाढ़ जैसी आपदा में जिसका घर जमींदोज हो गया हो, ढह गया हो या बह गया हो। परिवार ने राहत शिविरों में शरण ले ली है तो चोर-उचक्के उसके घर-बार को खंगाल कर कीमती चीजें उड़ा ले जाते हैं। प्रदेश के जिस राजनीतिक दल ने बाढ़ग्रस्त इलाके में राहत के नाम पर कर्मचारियों के घूस मांगने का आरोप लगाया है, उसने यह भी कहा है कि वर्षों से बाढ़ के नाम पर नेताओं, ठेकेदारों और अधिकारियों ने कोसी अंचल को लूटा है। भीमनगर बराज की आयु समाप्त हो चुकी है। बराज टूटा तो कोसी और सीमांचल का नामोनिशान मिट जाएगा। अगर वास्तव में कोसी इलाके में बाढ़ को रोकने के उपायों की आयु पूरी हो चुकी है तो राज्य सरकार को इस शिकायतों को आईने के रूप में देखना चाहिए।

राज्य में सरकारी भुगतान पूरी तरह से होगा कैशलेस

डिजिटल पेमेंट होगा जरूरी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने कि दिशा में महाराष्ट्र सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने वाली है। राज्य के सूचना व प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग ने सरकारी शुल्क भुगतान के लिए पूरी तरह से डिजिटल पेमेंट प्रणाली अपनाने की योजना तैयार की है। राज्य के आईटी विभाग ने इस संबंध में योजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा है, जिसके अनुसार साल 2019 से पहले राज्य सरकार सरकारी क्षेत्र में नकद भुगतान पूरी तरह से

बंद कर सिर्फ डिजिटल पेमेंट को अनिवार्य करेगी। आईटी विभाग के प्रधान सचिव विजय कुमार गौतम ने बताया कि महाराष्ट्र में 100 प्रतिशत वयस्कों के पास आधार कार्ड है। जबकि बच्चों के करीब 90 प्रतिशत आधार कार्ड बन गए हैं। राज्य में करीब 6.50 करोड़ लोगों के बैंकों में खाते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने राज्य के 26,0000 ग्राम पंचायतों को बॉयोमैट्रिक उपकरण वितरित किए गए हैं जिसे आधार से जोड़ भी दिया गया है। राज्य की सरकारी राशन की दुकानों को पहले ही बॉयोमैट्रिक से जोड़ दिया गया है। इस लिए समझा जा रहा है कि सरकार की यह योजना पूरी होने में ज्यादा मुश्किले नहीं आएंगी।

गांव की दुकानें भी होंगी कैशलेस

शहरों में तो काफी कैशलेस भुगतान होता है, इस लिए अब सरकार का ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों पर है। आईटी विभाग ने जो योजना तैयार की है, उसके अनुसार गांव व छोटे बाजारों की दुकानों में नकदी रहित लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए सरकार छोटे दुकानदारों को मासिक किश्तों पर बॉयोमैट्रिक मशीन देगी। जो दुकानदार बॉयोमैट्रिक मशीन का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करेगा, उसकी मासिक किस्त माफ कर दी जाएगी। आईटी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आधार एनेबल पेमेंट सिस्टम होने के कारण यह पूरी तरह से सुरक्षित है। फिलहाल राज्य सरकार ने 1 लाख 40 हजार बॉयोमेट्रिक मशीन खरीदने के लिए टेंडर निकाला है। वर्ष 2019 से पहले महाराष्ट्र को कैशलेस बनाने की योजना तैयार है। इसको लेकर आईटी विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इसके तहत सरकारी शुल्क के भुगतान को पूरी तरह से नकदी रहित बनाने की योजना है।

मां-बेटी ने घर में पाल रखे हैं 100 से ज्यादा चूहें

शिकायत की तो दोनों ने बताई ये कहानी

मुंबई। अकेलेपन से लड़ने के लिए मुंबई की मां बेटी ने एक अनोखा रास्ता निकाला। सस्वती सोसाइटी में 75 साल की शर्वरी आचार्य और उनकी बेटी शुभाना 10 सालों से अकेली रह रही हैं। इन्होनें 100 से भी ज्यादा चूहों को अपने घर पाल रखा हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये चूहें सफेद नही बल्कि काले चूहे है जो नाले नालियों में अक्सर घूमते मिल जाते हैं। 10 साल पहले हार्ट अटैक से शर्वरी आचार्य के पति जयंत आचार्य की मौत के बाद से ही अचानक घर पर चूहे आना शुरू हो गए। देखते ही देखते चूहों की संख्या बढ़ती गयी और घर पर अकेली रह रही मां बेटी इन चूहों को घर पर पालना शुरू कर दिया। दोनों मां और बेटी इन चूहों को अपना फ्रैंड मानती हैं और उनकी कंपनी को इंजाव्य करती हैं। उनके

घर पर खाने पीने का समान भी यूंही खुला पड़ा रहता है जिसे ये चूहें खराब नही करते। जिस बिल्डिंग में शर्वरी रहती हैं जिसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों के लिए 1969 में बनवाया गया था।

पुलिस ने मामलें में बोलनें से किया इंकार

इन चूहों से शर्वरी के पड़ोसियों को काफी परेशानी होती थी जिसके लिए पड़ोसियों ने जुहू के पुलिस स्टेशन में इसकी लिखित शिकायत की। शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में बोलने से इंकार कर दिया और कहा कि इस बात को उन्हे सोसाइटी की मीटिंग में उठाना चाहिए।

बीएमसी के पास पहुंची शिकायत

बीएमसी के पास 2014 में इस समस्या को लेकर शिकायत पहुंची थी। जिसके बाद बीएमसी ने शर्वरी और उनकी बेटी को समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वे नही मानी। बीएमसी ने 60 चूहों को शर्वरी के घर पकड़ा तो वही पूरी सोसाइटी से करीब 40 चूहों को पकड़ा।

घर पर नहीं था पति, टीचर ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

ठाणे। पाचपाखड़ी इलाके में रहने वाली एक महिला ने शनिवार रात फांसी लगाकर खुद्कुशी की। यह मामला रविवार सुबह सामने आया है। यह महिला यहां पर वंडर किड्स नामक नर्सरी चलाती थी। पिछले 12 साल से इसी इलाके में रहती थी। उसके दो बेटे और एक बेटी है। उसने खुद्कुशी क्यों की इसका पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। नौपाड़ा पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा लाड नामक महिला अपने पति और तीन

बच्चों के साथ पाचपाखाड़ी इलाके में रहती थी। उसका पति जॉब करता है,वही श्रद्धा एक नर्सरी चलाती थी। शनिवार को पति घर पर नहीं था और बच्चे भी बाहर गए थे। इसी दौरान उसने घर के भीतर फांसी लगाकर सुसाइड की। पुलिस को उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। श्रद्धा इलाके में फेमस टीचर थी, उसके द्वारा उठाए गए कदम से इलाके में शोक का माहौल है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ऐ दिल है मुस्लिम

उन्होंने कहा कि ये कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे अचानक लागू कर दिया जाए। बता दें कि मुख्तार अब्बास नकवी उन चार मंत्रियों में शामिल हैं जिनके कामकाज से खुश होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें प्रमोशन देकर कैबिनेट का दर्जा दिया है। उन्हीं के साथ आज राज्य मंत्री के तौर पर मध्य प्रदेश से आने वाले वीरेंद्र कुमार ने भी पदभार ग्रहण किया। मुख्तार अब्बास नकवी पहले अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री थे जबकि वीरेंद्र कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। जब नकवी से पूछा गया कि अपने प्रमोशन को वह किस तरह से देखते हैं और क्या उन्हें तीन तलाक खत्म कराने के लिए माहौल बनाने का इनाम मिला है तो उन्होंने कहा कि इस मंत्रालय को पहले एक हल्का-फुल्का मंत्रालय माना जाता था, लेकिन उन्होंने कोशिश की कि सरकार की योजनाएं जमीन पर उतरे और प्रधानमंत्री का सबका साथ सबका विकास का नारा सही साबित हो सके। मजेदार बात यह है कि उनके साथ राज्य मंत्री के तौर पर चार्ज लेने वाले वीरेंद्र कुमार पहले गौ रक्षा के लिए काम करते रहे हैं और गौ रक्षा के लिए कई संस्थानों से मध्य प्रदेश में जुड़े हुए थे। खास बात यह है कि गौ रक्षकों द्वारा हिंसा को लेकर कई बार विवाद हो चुका है और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार यह बात कहनी पड़ी कि गौरक्षा के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नकवी से जब इस बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में गौ हत्या को लेकर कानून है वहां इस का सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भावनाओं से जुड़े मुद्दों पर लोगों को संवेदनशील होना चाहिए लेकिन साथ ही यह भी जरुरी है कि गौ रक्षा के नाम पर कोई हिंसा नहीं हो। जब नकवी से पूछा गया कि तमाम लोगों का आरोप है कि इस समय देश में माहौल ऐसा है जिससे अल्पसंख्यकों के मन में डर बना हुआ है तो उन्होंने कहा कि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है और यह बात बस विपक्ष के विलाप मंडली के कुछ लोग दोहराते रहते हैं। राज्य मंत्री के तौर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में कार्यभार संभालने वाले वीरेंद्र कुमार ने कहा कि भले ही वह गौ रक्षा के लिए काम करते रहे हो लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि मंत्री के तौर पर उनके काम करने में कोई बाधा आएगी। उन्होंने कहा कि किसी तरह की हिंसा को सही नहीं ठहराया जा सकता भले ही यह गौरक्षा के नाम पर हो।

छम्मक छल्लो पर 1 रुपया...

पुलिस के शिकायत दर्ज नहीं करने पर 8 साल पहले महिला ने कोर्ट में इंसाफ की गुहार लगाई थी। बता दें कि कई बॉलीवुड फिल्मों यह शब्द धड़ल्ले से इस्तेमाल होता रहा है। शाहरुख खान की फिल्म रॉवन में करीना कपूर पर छम्मक छल्लो सॉन्ग फिल्माया जा चुका है। चेन्नई एक्सप्रेस मूवी में भी शाहरुख एक्ट्रेस के लिए यह शब्द बोल चुके हैं। खबर के मुताबिक, मजिस्ट्रेट आरटी इंगले ने फैसले में कहा कि आरोपी शख्स ने पड़ोसी महिला के लिए जो शब्द इस्तेमाल लिए थे। उनसे महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंची है। आईपीसी-509 के तहत किसी भी महिला के लिए ऐसा कहना अपराध माना जाता है। यह एक हिंदी शब्द है। अंग्रेजी में इसका कोई मीनिंग नहीं है। सिर्फ इस्तेमाल से ही भारतीय समाज में मतलब समझ लिया जाता है। आमतौर पर इसे किसी महिला की बेइज्जती के लिए कहा जाता है। यह कोई सराहनीय शब्द नहीं, बल्कि इससे महिलाओं के अंदर गुस्सा और चिड़चिड़ाहट पैदा होती है।

हम नहीं सुधरेंगे

हालांकि, वो उसके संगठन जैश को हिंसा फैलाने वाला बता रहा है। बता दें कि नरेंद्र मोदी दो दिन के चीन दौरे पर हैं और वहां उनकी चीन के प्रेसिडेंट से बाइलेट्रल बातचीत हो सकती है। ब्रिक्स देशों के ज्वॉइंट डिक्लरेशन के बाद चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन गेंग शुआंग ने न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया। शुआंग ने कहा-पाकिस्तान के आतंकी संगठनों जैश, लश्कर या हक्कानी नेटवर्क के नाम ज्वॉइंट डिक्लरेशन में इसलिए आए क्योंकि ये संगठन इस इलाके में हिंसा फैलाते हैं और इनको लेकर चिंताएं हैं। बता दें कि ब्रिक्स डिक्लरेशन में पहली बार पाकिस्तान के इन आतंकी संगठनों के नाम शामिल किए गए हैं। शुआंग ने कहा- यूएन सिक्युरिटी काउंसिल इन ऑर्गनाइजेशंस पर बंदिशें लगा चुकी है। ये अफगानिस्तान के मसले पर भी असर डालते हैं। चीन यूएन सिक्युरिटी काउंसिल का परमानेंट मेंबर है। मसूद अजहर को बाकी देश तो बैन करना चाहते हैं, लेकिन चीन नहीं। वो हर बार वीटो इस्तेमाल करता है। शुआंग ने कहा-आतंकवाद के खिलाफ ग्लोबल कैंपेन में हम हिस्सा ले रहे हैं।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 7

BRICS में PM मोदी बोले
शांति के लिए सभी देशों का सहयोग जरूरी

पांच देशों के नेताओं की सामूहिक तस्वीरें लिए जाने के साथ ही यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन शुरू हो गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पूरी गर्मजोशी के साथ हाथ मिलाए। पीएम ने ब्रिक्स बैठक में बोलते हुए कहा कि सभी देशों में शांति के लिए ब्रिक्स देशों का एकजुट रहना जरूरी है। मोदी ने विकासशील देशों की सरकारी एवं निजी इकाइयों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्रिक्स रेटिंग एजेंसी के जल्द गठन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम गरीबी के उन्मूलन के लिए, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कौशल, खाद्य सुरक्षा, लैंगिक समानता, ऊर्जा एवं शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स ने अनिश्चितता की ओर बढ़ते विश्व में सहयोग, स्थिरता एवं विकास के लिए एक जीवंत खाका तैयार किया है।

चिनफिंग ने खुद की देशों की आगवानी – वहीं चिनफिंग ने सम्मेलन शुरू होने से पहले ब्राजील, रूस और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं की अगवानी की। नौवां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चीन के इस बंदरगाह शहर श्यामन के कन्वेशन सेंटर में हो रहा है और मोदी यहां पहुंचने वाले तीसरे नेता थे। उनके बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यहां पहुंचे।

मंगलवार को मोदी करेंगे चिनफिंग मुलाकात – मोदी की मंगलवार को शी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी होने वाली है। विवादित डोकलाम इलाके में भारत और चीन के बीच दो माह तक चले गतिरोध के बाद दोनों देशों ने 28 अगस्त को अपने अपने सीमाई सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया था जिसके बाद पहली बार ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं की मुलाकात हो रही है। सम्मेलन के लिए यहां आए नेता एक पूर्ण सत्र में भी हिस्सा लेंगे जहां वे प्रमुख क्षेत्रों में ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा ये नेता, वैश्विक अर्थव्यवस्था और चुनौतियों सहित महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी मंथन करेंगे। शिखर सम्मेलन श्यामन घोषणापत्र को मंजूरी मिलने के साथ ही संपन्न हो जाएगा। यह घोषणापत्र सम्मेलन में हुए विचार विर्मशों और भावी रूपरेखा की झलक पेश करेगा।

फर्रुखाबाद: 49 बच्चों की मौत पर सख्त हुई योगी सरकार

फर्रुखाबाद जिला संयुक्त अस्पताल में एक महीने के दौरान 49 नवजात बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले में प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी तथा जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का तबादला कर दिया।

फर्रुखाबाद में 49 नवजात शिशुओं की मौत – जिला प्रशासन द्वारा कराई गई जांच में ऑक्सीजन की कमी तथा इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप में रात शहर कोतवाली में नगर मजिस्ट्रेट जयनेन्द्र कुमार जैन की तहरीर पर मुख्य चिकित्साधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं अन्य के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि इस साल 20 जुलाई से 21 अगस्त के बीच जिला महिला चिकित्सालय फर्रुखाबाद में 49 नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई, जिनमें 19 पैदा होते ही मर गए।

CMO और CMS के खिलाफ FIR दर्ज – मीडिया में खबर आने के बाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने मुख्य चिकित्साधिकारी उमाकांत पांडेय की अध्यक्षता में समिति बनाकर जांच कराई। समिति के निष्कर्षों से संतुष्ट न होने के बाद जिलाधिकारी ने मजिस्ट्रेट जांच कराई थी, जिसके आधार पर आरोपी चिकित्साधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस मामले में मामला दर्ज कराने वाले नगर मजिस्ट्रेट जयनेन्द्र जैन द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा दी गई 30 मृत बच्चों की सूची में से ज्यादातर की मौत का कारण पैरीनेटल एस्फिक्सिया बताया गया है।

ऑक्सीजन और इलाज में लापरवाही के कारण हुई बच्चों की मौत – इस बीच, फर्रुखाबाद से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट जयनेन्द्र कुमार जैन तथा उपजिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह ने मौके पर जाकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। जांच में पाया गया कि ऑक्सीजन न मिल पाने और इलाज में लापरवाही के कारण बच्चों की मौत हुई थी। नगर मजिस्ट्रेट ने शहर कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा कि जिलाधिकारी ने फर्रुखाबाद के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया संयुक्त जिला अस्पताल के एनआईसीयू में पिछले 6 माह में भर्ती हुए शिशुओं में से मृत बच्चों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे, लेकिन मुख्य चिकित्साधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने आदेशों की अवहेलना करते हुए समुचित सूचना उपलब्ध नहीं कराई।

फिल्म गुल मकाई का पोस्टर लॉन्च

रेनिएन्स पिक्चर्स के विजय जाजू, शक्ति भटनागर, संजय सिंगला और मनोज कुमार के साथ सह-निर्माता चिराग वैष्णव और निर्देशक अमजद खान ने बॉलीवुड से उनकी फिल्म गुल मकाई के पोस्टर लॉन्च के लिए बांद्रा पश्चिम स्थित ताज लैंड्स एंड में सेलिब्रिटीस को आमंत्रित किया था। टीवी स्टार रीम, जो एक प्रसिद्ध बाल कलाकार हैं, जिन्होंने २०१० में 'देवी' में उनकी प्रमुख भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा पुरस्कार जीता है, वह मलाला की भूमिका निभा रही है। रीम ने धारावाहिकों में काम किया है जैसे ये रिश्ता क्या कहता है, दीया और बाटी, खेल है जिंदगी आँख मिचोली। उन्होंने वजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन और फरहान अख्तर के साथ काम किया है। जब निर्देशक अमजद खान एक ऐसी लड़की की खोज कर रहे थे, जो अपनी आगामी फिल्म 'गुल मकाई' में मालाला यूसुफजई के किरदार को निभा सकती है, तो रीम ने अपनी नजर में अपनी मासूम चेहरे और सहज अभिनय कौशल को पकड़ लिया। वह खुद मलाला की तरह दिखती हैं। उसने यह फिल्म साइन करने से पहले एक बार भी नहीं सोचा। तबसे रीम मलाला की तरह रहती है। वह अपनी शैली, उसकी व्यवहार और शरीर की भाषा को वास्तविक मलाला जैसी बनने को ठीक करने के लिए जोरदार प्रशिक्षण प्रक्रिया से गई है। भस्वती चक्रवर्ती ने फिल्म के लिए पटकथा और संवाद लिखी है। इस इवेंट के लिए राजपाल यादव सबसे पहले आए थे। लॉन्चिग अवसर पर अतिथियों में गणेश आचार्य, रागिनी खन्ना, दिव्या दत्ता, अभिमन्यू सिंह, अजेझ खान, लीना कपूर, अनुस्मिती सरकार, ब्राइट आउटडोअर के योगेश लखानी, रोहित वर्मा, आरती नागपाल, पूनम झावर, चारू, शरीब हाशमी, उत्कर्षा नायक, शालिनी कपूर, आदित्य पंचोली और अन्य आए। दिव्या दत्ता फिल्म में मलाला की मां होगी। शूटिंग भुज में शुरू होगी।

BJP और RSS के खिलाफ लड़ने वालों को देंगे टिकट-राहुल

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अहमदाबाद में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। जिस दौरान उन्होंने कि भाजपा और आरएसएस के खिलाफ लडने वालों को टिकट देंगे दूसरी पार्टी से कांग्रेस में आने वालों को टिकट नहीं दी जाएगी। राहुल ने कहा कि जल्द ही कांग्रेस टिकटों का ऐलान करेगी। कांग्रेस उपाध्यक्ष ने एक बार फिर नोटबंदी को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि नोटबंदी से गरीबों को नुकसान हुआ और विकास भी रूका। इस प्रक्रिया में गुजरात के व्यापारियों का सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। राहुल 182 विधानसभा सीटों के पार्टी वर्कर्स से संवाद कर तैयारियों का फीडवैक लेंगे साथ ही पार्टी की रणनीति से भी उन्हें अवगत कराएंगे।

कांग्रेस ने 125+ सीट का रखा टारगेट

गुजरात में राहुल गांधी का संवाद कार्यक्रम पहली बार हो रहा है इस दौरान वह लोगों के सवालों का जवाब देंगे। कांग्रेस ने इस बार चुनाव में 125+ सीट का टारगेट रखा है यही वजह है कि कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। राज्यसभा में मिली एक सीट पर जीत से कांग्रेस का मनोबल बढ़ा है। चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस उपाध्यक्ष चुनाव से पहले 8 बार गुजरात आएंगे। 22 सितंबर को राहुल गांधी देवभूमि द्वारका से यात्रा की शुरूआत करेंगे। वहीं गुजरात में दो-दो दिन के 4 अलग-अलग पार्टी के कार्यक्रम में हिस्सा भी लेंगे। इन बैठकों में भाजपा से नाराज चल रहे पाटीदार, ओबीसी और दलित समाज को जोडने.पर चर्चा होगी।

कैबिनेट फेरबदल: PM मोदी के इस फैसले ने सीतारमण को भी चौंकाया

अर्थशास्त्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता के रूप में पार्टी में अपनी पकड़ मजबूत बनाने और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में सरकार की नीतियों को बिना किसी शोर-शराबे के सहजता से लागू करने वाली 58 वर्षीय निर्मला सीतारमण को पदोन्नत कर रक्षामंत्री बनाया गया है। पीएम नरेंद्र द्वारा सीतारमण को रक्षामंत्री बनाने के इस फैसले ने सभी को चौंका रख दिया।

सीतारमण ने लगाई सबसे बड़ी छंलाग

पहले राज्यसभा की सदस्यता और फिर 2014 में वाणिज्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने के बाद सीतारमण ने रविवार दोपहर को सबसे बड़ी छंलाग लगाई। मोदी सरकार में हुए एक बड़े फेरबदल के बाद रक्षा जैसे अहम मंत्रालय में पहुंचीं निर्मला ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर अपनी प्रोन्नति का श्रेय पीएम मोदी को दिया। सीतारमण ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, 'जब मैंने शपथ (कैबिनेट मंत्री के तौर पर) ली तो यह पता नहीं था कि मुझे रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने वाली है। पीएम मोदी द्वारा मुझपर विश्वास जताने की मैं आभारी हूं।' उन्होंने कहा कि अब उन्हें परफॉर्म करके देना होगा।, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कोई ऐसा शख्स, जो छोटे शहर से आया हो, पार्टी नेतृत्व के समर्थन से आगे बढ़ा हो और यदि उसे ऐसी जिम्मेदारी दी जाती है तो कभी कभी ऐसा महसूस होता है कि कहीं न कहीं दैवीय कृपा तो है। अन्यथा यह संभव नहीं होता।

रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाली दूसरी महिला बनी सीतारमण

निर्मला सीतारमण देश की पहली महिला पूर्णकालिक रक्षा मंत्री बनीं। राज्यसभा सदस्य सीतारमण रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाली दूसरी महिला बनीं। इससे पहले 1970 के दशक में इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री रहने के साथ इस अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। सीतारमण को रक्षा मंत्री बनाया जाना वाणिज्य मंत्री के तौर पर उनके अच्छे काम के लिये पुरस्कार के तौर पर देखा जा रहा है। मनोहर र्पिरकर के गोवा का मुख्यमंत्री बनने के लिए मार्च में रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद से वित्त मंत्री अरूण जेटली के पास रक्षा मंत्रालय का भी प्रभार था। सीतारमण अब सुरक्षा मामलों पर महत्वपूर्ण मंत्रिमंडलीय समिति का सदस्य होंगी। इस समिति में रक्षा मंत्री के अलावा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री और वित्त मंत्री होते हैं।

कैबिनेट विस्तार को लेकर नीतीश ने तोड़ी चुप्पी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग)के घटक जनता दल यूनाईटेड(जदयू) के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होने पर हो रही बयानबाजी के संबंध में आज कहा कि इसको लेकर उनके मन में न तो कोई इच्छा थी और न ही अपेक्षा, यह केवल मीडिया की अटकलबाजी थी। कुमार ने यहा लोकसंवाद कार्यक्रम के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जदयू के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस विषय पर चर्चा तो मीडिया ने ही शुरू की थी। उन्होंने कहा कि जदयू हाल ही में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग)में शामिल हुआ है। इस विषय पर न तो हमने गौर किया, न मन में कोई इच्छा थी और न ही अपेक्षा। उन्होंने कहा कि यह केवल मीडिया की अटकलें थीं, जिसमें कोई दम नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि

अकारण मंत्रिमण्डल के विस्तार में जदयू को चर्चा में लाया गया।

लालू मीडिया के डार्लिंग नेता: नीतीश

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर कटाक्ष करते हुये कहा कि इस विषय को अकारण चर्चा में लाने के कारण मीडिया के डार्लिंग नेता को मौका मिला लेकिन उन्हें बिहार की जनता गंभीरता से नहीं लेती है। उल्लेखनीय है कि यादव ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में जदयू को तरजीह नहीं दिये जाने के संबंध में कहा था कि अब जदयू का कोई वजूद नहीं रह गया है। उसके नेता मंत्रिपद की शपथ लेने की तैयारी कर रहे थे लेकिन भाजपा ने उन्हें इसके लिए न्योता ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उस अपमान का बदला लिया है जब नीतीश ने भोज के लिए भाजपा नेताओं को निमंत्रण देने के बाद अंतिम समय में उसे रद्द कर दिया था। राजद अध्यक्ष ने इसके अलावा भी कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं।

मुस्लिम देश के नोट पर गणेश जी की फोटो

आस्था और श्रद्धा के कई रूप हैं। हिंदु देवता गणेश जी केवल भारत में ही मान्य नहीं बल्कि दुनिया में एक मुस्लिम देश ऐसा भी है, जहां की मुद्रा पर गणपति जी की फोटो है। हम बात कर रहे हैं दुनिया के सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया की. यहां की मुद्रा पर भगवान गणेश की फोटो मौजूद है। इंडोनेशिया में करीब 87.5 फीसदी आबादी इस्लाम धर्म को मानती है। वहां सिर्फ 3 फीसदी हिन्दू आबादी है। इंडोनेशिया की करंसी को रूपियाह कहते हैं। वहां, 20 हजार के नोट पर भगवान गणेश की फोटो है। दरअसल, भगवान गणेश को इंडोनेशिया में शिक्षा, कला और विज्ञान का देवता माना जाता है। इंडोनेशिया में 20 हजार की नोट पर सामने भगवान गणेश की तस्वीर और पीछे क्लासरूम की तस्वीर है, जिसमें टीचर और स्टूडेंट्स हैं।साथ ही नोट पर इंडोनेशिया के पहले शिक्षा मंत्री की हजर देवांत्रा की भी तस्वीर है।

देवांत्रा इंडोनेशिया की आजादी के नायक रहे हैं। कुछ साल पहले इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई थी। वहां के राष्ट्रीय आर्थिक चिंतको ने बहुत विचार कर20 हजार का एक नया नोट जारी किया, जिस पर भगवान गणेश की तस्वीर को छापा गया। लोगों का मानना है कि इसी कारण अब वहां की अर्थवयवस्था मजबूत है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्लू व्हेल पर बैन का तरीका खोजे सरकार: हाईकोर्ट

देश में 7 दिन में चौथी मौत

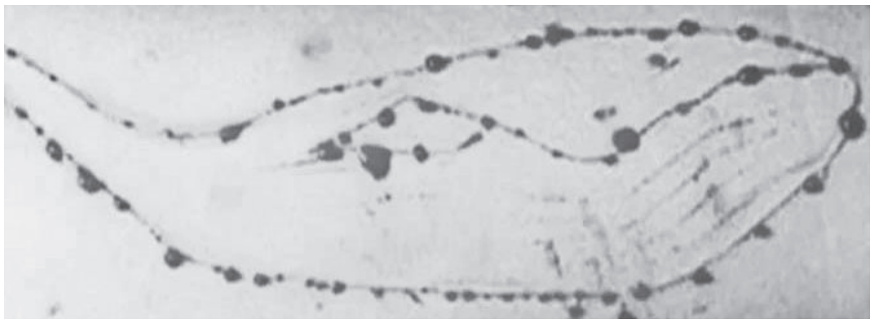

मदुरई। जानलेवा ब्लू व्हेल गेम पर मद्रास हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने सोमवार को सरकार से कहा कि वो इस गेम को बैन करने का तरीका खोजे। हाईकोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार को इस बारे में डाइरेक्शंस भी जारी किए। बता दें कि करीब एक हफ्ते में इस गेम की वजह से चार मौतें हो चुकी हैं। बता दें कि ब्लू व्हेल एक ऑनलाइन गेम है। इसमें कुछ स्टेप्स के बाद इसे खेलने वाले को खुदकुशी के लिए उकसाया जाता है। मध्य प्रदेश के दमोह में इसी गेम की वजह से एक लड़के ने शनिवार को जान दे दी। मद्रास हाईकोर्ट इस मामले में सुओ मोटो (स्वतः संज्ञान) लेकर सुनवाई कर रहा है। सोमवार को मामले की सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट की मदुरई बेंच के जस्टिस केके. श्रीधरन और जस्टिस जीआर. स्वामीनाथन ने की। बेंच ने इस मामले में यूनियन इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग सेक्रेटरी और होम सेक्रेटरी को नोटिस जारी किए। बेंच ने इस मामले मे कई डाइरेक्शंस भी जारी किए।

कैसे बैन किया जाए? : कोर्ट ने यूनियन और स्टेट गवर्नमेंट से कहा कि ब्लू व्हेल गेम को बैन करने का तरीका खोजा जाए। हाईकोर्ट ने आईआईटी मद्रास के डाइरेक्टर से कहा कि वो भी ये बताएं कि इस तरह के ऑन लाइन गेम्स पर किस तरह से रोक लगाई जा सकती है। सुनवाई के दौरान सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि हाल ही में मदुरई के जिस लड़के ने सुसाइड किया था, उसने 75 और लोगों को यह गेम फॉरवर्ड किया था। हालांकि, इन सभी को यह गेम खेलने से रोक दिया गया। हाईकोर्ट ने डीजीपी और होम सेक्रेटरी को सख्त ऑर्डर जारी करते हुए कहा कि वो इस गेम को शेयर करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। बता दें कि 19 साल के एक लड़के की मौत के बाद एक वकील ने हाईकोर्ट से इस मामले पर संज्ञान लेने की अपील की थी। इसके बाद कोर्ट ने यह कदम उठाया। ब्लू व्हेल गेम 7 दिन में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे बड़े शहरों के साथ ही छतरपुर, शहडोल, होशंगाबाद, समेत मध्य प्रदेश के 27 शहरों में सर्च किया गया। यह ट्रेंड 27 अगस्त से लेकर 3 सितंबर तक का है। इस दौरान यह गेम सबसे ज्यादा छतरपुर में तलाशा गया, होशंगाबाद दूसरे नंबर पर रहा।

ब्लू व्हेल गेम नहीं एक ट्रैप : टीन एजर्स गेम मानकर ब्लू व्हेल के जाल में फंसे रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ब्लू व्हेल ऐप तलाशे जा रहे हैं, लेकिन असल में यह न तो गेम है और न ही ऐप है। यह अपराधी किस्म के लोगों का एक ट्रैप है, जो दुनियाभर में अब तक 130 से ज्यादा लोगों की जान ले चुके हैं। नासमझी में बच्चे इसके आसानी से शिकार बन रहे हैं। ब्लू व्हेल के पीछे दिमाग है मास्को (रूस) के फिलिप बुडेईकिन का। उसे गिरफ्तार किया जा चुका है और वह तीन साल की सजा काट रहा है। गेम से पहली मौत का मामला 2015 में आया था। गिरफ्तारी के बाद फिलिप ने कहा था, ʼगेम का मकसद समाज की सफाई करना है। फिलिप की नजर में सुसाइड करने वाले सभी लोग 'बायो वेस्ट' थे।

लखनऊ में अपहरण के बाद छात्रा के साथ गैंग रेप, वीडियो भी बनाया

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी का मोहनलालगंज एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां कार सवार तीन युवकों ने बीकॉम की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसका वीडियो भी बना लिया। पीड़िता को आरोपितों ने करीब 22 घंटे तक बंधक बना रखा और फिर रविवार सुबह छात्रा को छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दरिंदों के चंगुल से छुटी छात्रा ने कोतवाली में पुलिस को आपबीती बयां की। थाना प्रभारी मोहनलालगंज ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल की जा रही है। लखनऊ के मोहनलालगंज में कार सवार तीन युवकों ने बीए की छात्रा को

अपहरण कर बंधक बनाकर रात भर गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। दरिंदों के चंगुल से छूटी छात्रा ने जब ये दर्द भरी कहानी बताई तो इसे सुनकर सबके कान खड़े हो गए। पीड़िता का आरोप है तीनों ने उसके साथ रात भर जबरन हैवानियत की। तीनों उसे जबरन कार में अपहरण कर ले गए थे और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली कविता (23) (नाम काल्पनिक) बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह उन्नाव के एक कॉलेज में पढ़ती है। छात्रा के मुताबिक कॉलेज आते-जाते समय टेंपो में एक युवक उससे मिला था। बातचीत के दौरान उसने छात्रा का मोबाइल नंबर ले लिया था। पीड़िता का कहना है कि युवक ने अपने मोबाइल में उसे उसकी बहन की अश्लील तस्वीर दिखाई थी। शनिवार को युवक ने उन तस्वीरों के बारे में बताने के लिए फोन कर सिसेंडी बाईपास पर बुलाया था। जल्दबाजी में वह अपना मोबाइल फोन घर पर छोड़कर चली गई थी। बाइपास के पास पीछे से आए एक युवक ने उसके चेहरे पर रुमाल लगा दिया और कार में खींचकर अगवा कर ले गए। रुमाल सूंघने के बाद छात्रा बेहोश हो गई। जब उसे होश आया तो उसने खुद को एक बंद कमरे में पाया। बदमाशों ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। छात्रा ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसकी जमकर पीटा, इसके बाद फिर मुंह काला किया। रविवार सुबह बदमाश उसे कार से सिसेंडी मोड़ लेकर पहुंचे। उसे 10 रुपये किराया दिया और बस में बिठाकर भाग निकले।

नरहन में गणेश चतुर्थी मेले की धूम

समस्तीपुर/धर्मेंद्र कुमार। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के नरहन बाजार स्थित हाई स्कूल के मैदान में गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में लगी मेले का देख-रेख करने पहुंचे एएसआई राकेश कुमार त्रिपाठी जी के साथ मेले में भ्रमण किया तथा दोनों लोग प्रसाद ग्रहण किए। बता दें कि हर साल की भांति इस साल भी नरहन बाजार स्थित हाई स्कूल के मैदान में बड़े ही धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में एक मेले का आयोजन किया गया था। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के द्वारा चुस्ती दिखाई दी। 1 सप्ताह से चल रही इस मेले का लोग खूब आनंद उठाएं और शांतिपूर्ण ढंग से मेले का समापन संपूर्ण नरहन वासियों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से किया गया।

बिसलरी के बोतल से डॉक्टर पी रहे थे रंगीन पानी, एसडीओ ने सूंघ ली शराब

पटना। मसौढ़ी के अनुमंडलीय अस्पताल में रात्रिकालीन ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सक को शराब के नशे में एसडीओ ने पकड़ा। उनके बैग में रखे शराब को भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, अनुमंडलीय अस्पताल में रविवार को चिकित्सक डॉ एसएन शर्मा की रात्रिकालीन ड्यूटी थी। मसौढ़ी के एसडीओ आनंद शर्मा को जानकारी मिलने पर वह निरीक्षण करने अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर मौजूद चिकित्सक को शराब के नशे में पाया। जब उनके बैग की तलाशी ली गयी, तो उनके बैग से एक बिसलेरी की बोतल में रखी गयी शराब बरामद हुई। एसडीओ ने जांच के दौरान चिकित्सक के निजी चालक उमेश कुमार को भी शराब के नशे में मौके पर ही पकड़ लिया। बाद में एसडीओ ने स्थानीय थाने को सूचना देकर चिकित्सक व चालक के विरुद्ध शराब पीकर ड्यूटी करने व बैग में शराब रखने का मामला दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए चिकित्सक व निजी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ हरिश्चंद्र हरि ने बताया कि डॉ एसएन शर्मा की रात्रि ड्यूटी थी। इसी बीच एसडीओ जांच करने अस्पताल पहुंच गये, जहां से उन्होंने चिकित्सक को शराब के नशे में पकड़ लिया, साथ ही उनके बैग से शराब भी बरामद किया गया है।

विदेशों के ही नहीं, भारत के ये 6 हिल स्टेशन भी है बेहद खुबसूरत

घुमने का ख्याल मन में आते ही आप विदशी शहर या फिर शिमला जैसे हिल स्टेशन के बारे में सोचने लगते है। मगर आज हम आपको इंडिया के ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहें जहां पर आप अपने वीकेंड का भरपूर मजा ले सकते है। आइए जानते है भारत के इन 6 बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के बारे में।

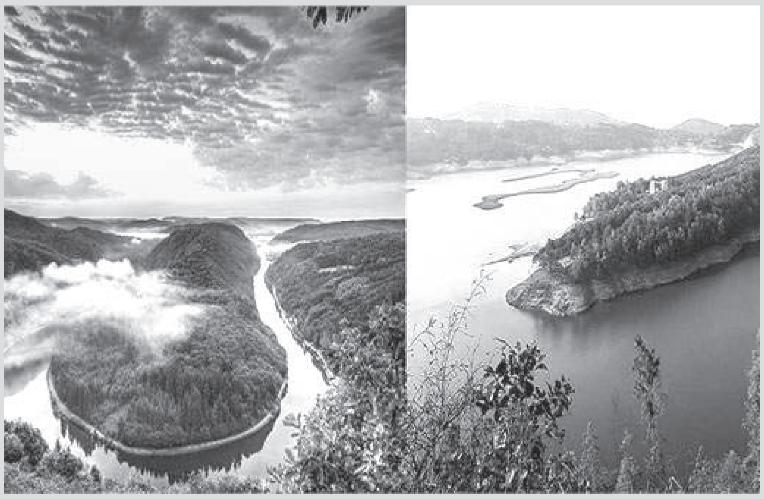

1. कुन्नूर
यह हिल स्टेशन चाय के बगानों के लिए बहुत फेमस है। नीलगिरी की पहाड़ियों पर बसा यह हिल स्टेशन ऊटी से 19 किमी दूर है। हर समय यहां का मौसम सुहावना के कारण इसे हनीमून डेस्टिनेशन भी कहा जाता है।

2. कलिमपोंग
वेस्ट बंगाल के दार्जिलिंग में बसे इस हिल स्टेशन का मौसम हर समय सुहाना रहता है। इस जगह आप टूरिस्ट ट्रैकिंग के साथ-साथ आकर्षित नजारों को अपने कैमरे में कैद कर सकते हो।

3. शिलांग
नार्थ ईस्ट इंडिया में मेघालय की राजधानी माना जाने वाले इस हिल स्टेशन को स्कॉटलैंड ऑफ द ईस्ट भी कहा जाता है। खुबसूरत रिजॉर्ट्स के इस शहर में आप ठंडे-ठंडे मौसम के साथ खुबसूरत झरने, पहाड़ और झीलों का भरपूर मजा ले सकते हो।

4. मासिनगुड़ी
ऊटी से 30 कि.मी की दूरी पर स्थित इस हरियाली भरे इलाके में आप शांति और सुकून के साथ अपने वीकेंड को एंजॉय कर सकते है। यहां के रिजॉर्ट में आपको नाइट सफारी, जंगलों में घूमने-फिरने और ट्रैकिंग का भी मजा लेने को मिलेगा।

5. रानीखेत
एडवेंचर्स पसंद लोगों के लिए रानीखेत बहुत ही अच्छी जगह है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में बसे इस हिस स्टेशन में आप पैराग्लाइडिंग का खूब मजा ले सकते है। इस हिल स्टेशन में छुट्टी बिताने का मजा ही कुछ ओर है।

6. घुम
यह खुबसूरत हिल स्टेशन दार्जिलिंग से 6 कि.मी की दूरी पर स्थित है। यहां पर जाने के लिए आपको ट्रेन लेनी पड़ती है। यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जहां से सोनादा, तुंग और कुर्सियॉग शहरों के रास्ते जाते है।

अपनी बेटी के लिए 7 साल से केवल नूडल्स खा रहा है शख्स

चीन के हुबेई क्षेत्र में दिल को छू लेने वाला एक ऐसा मामला सामने आया है, जो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, यहां के वुहान में एक पिता अपनी बेटी के लिए पिछले सात साल से केवल नूडल्स और स्टीम बन खाकर जिंदगी गुजार रहा है।

ये है वजह...
49 साल के होउ यनवेई स्ट्रीट क्लीनर हैं और उन्हें स्पोर्ट्स में काफी रुचि है। हाल ही में एक चाइनीज वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया, ' मेरी 11 साल की एक बेटी है, जिसका निक नेम Xinxin है और चार साल की उम्र से उसे जिमनास्ट में काफी दिलचस्पी है। लेकिन, मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं उसे सारी सुविधा एक साथ दे सकूं।' उन्होंने आगे बताया, 'कई साल पहले मेरा तलाक हो गया था और गरीबी के कारण मैं अपनी बेटी के साथ एक छोटे से घर में रहता हूं। मेरे एक महीने की आमदनी दो हजार यूआन है, जिसमें तीन सौ यूआन घर का किराया ही जाता है।' इसलिए, खुद पर कटौती करके मैं उसके लिए पैसा बचा रहा हूं।' उन्होंने बताया कि वो अपने ऊपर हर दिन 10 यूआन से ज्यादा खर्च नहीं करते हैं

और पिछले 7 साल में वो करीब दो टन नूडल्स खा चुके हैं।
होउ ने बताया कि उनका एक ही सपना है कि उनकी बेटी नेशनल जिमनास्ट टीम के लिए खेले। इसके लिए उन्हें जो भी करना पड़ेगा वो करने के लिए तैयार हैं। उनका कहना था कि पिछले पांच साल से उनकी बेटी 'Wuhan Institute of Physical Education' में पढ़ाई और ट्रेनिंग ले रही है। उन्होंने बताया कि Xinxin के ट्यूशन फीस पर सलाना खर्च 14 हजार यूआन है, जबकि डे-टू-डे एक्सपेंस पर तीन हजार यूआन। होउ का कहना था कि जिस दिन से उनकी बेटी ने जिमनास्ट की ट्रेनिंग लेनी शुरु कर दी उस दिन से उन्होंने अपने ऊपर पैसे खर्च करने बंद कर दिए। अब वो सिर्फ अपनी बेटी को एक बेहतर जिमनास्ट बनाकर एक अच्छी जिंदगी देना चाहते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। योजना फलीभूत होगी। उन्नति होगी। तनाव रहेगा। नौकरी, निवेश व यात्रा मनोनुकूल रहेंगे।

सिंह
नौकरी पेशा वर्ग को तरक्की के अवसर आ सकते हैं। आय व्यय सामान्य रहेगा। मानसिक भटकाव से बचें। परिवार में आपकी सलाह उपयोगी रहेगी।

धनु
पुराने मित्र-संबंधी से मिलन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। विवाद न करें। स्वास्थ्य समस्या बनेगी।

वृष
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनलाभ होगा। विवाद से बचें।

कन्या
विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। तनाव रहेगा। जोखिम न लें। परिवार में धार्मिक आयोजन होगा।

मकर
अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

तुला
शोक संदेश मिल सकता है। अस्वस्थता से बाधा संभव है। दौड़धूप अधिक होगी। जल्दबाजी न करें। आय पूर्ववत होगी।

कुंभ
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से बचें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव व चिंता रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। परिवार में हर्ष वृद्धि होगी।

कर्क
राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक
मान-सम्मान मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वजनों से मतभेद संभव है।

मीन
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। उन्नति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। विवाद न करें। मित्रों से मेलजोल रहेगा।

इन अजीबोगरीब शहरों के राज शायद आप भी नहीं जानते!

कुछ अटपटा और अजीबोगरीब देखने के शौकीन बहुत से लोग होते है।वैसे तो दुनिया में एक-से बढ़कर एक अजीबोगरीब शहर भरे पड़े है लेकिन जिन शहरों के बारे में आज हम बात करने जा रहे है, उनके बारे में शायद ही आपने सुना होगा। यह जगह सिर्फ और सिर्फ अपने अनोखेपन के लिए मशहूर है। आइए जानें ऐसा क्या है इन शहरों में खास ।

कालून सिटी
इस शहर को सबसे घना शहर कहा जाता है जो 16वीं शताब्दी में बना था। इस शहर की कुछ आबादी 50 हजार के आसपास है। यह चीन का सबसे घना नगर है।

डिज्नी वर्ल्ड फॉर ओल्ड पीपल्स
इसे बुजुर्गो का डिज्नीलैंड कहा जाता है जो अमेरिका में न्यूयॉर्क के पास बसे एक शहर का नाम है। इस जगह पर केवल 55 साल से अधिक उम्र के लोगों को ही रहने की अनुमति है।

रिटायरमेंट के बाद ये बुजुर्ग इसी जगह को चुनते है।

स्लम सिटी
2009 में मिस्त्र की राजधानी के लिए इस शहर को कूड़ेदान बना दिया गया। ऐसा बताया जाते है कि काहिरा का सारा कूड़ा यहां लाकर डाला जाने लगा।

लिली डेल
लिली शहद न्यूयॉर्क में बसा है। यहां रहने वाले नागरिक अध्यात्म प्रेमी है। इस शहर में लगभग 25 हजार लोग आध्यात्मिक शिक्षा लेने आने आते है।

माउंट ओयामा सिटी
टोक्यो से करीब 110 मील दूरी पर बसा माउंट ओयामा शहर इंसानों से लिए काफी खतरनाक है। यहां की हवा में जहरीली गैसों का इतना प्रभाव है कि लोगों को साइरन के घरों में रहने की चेतावनी तक दे दी जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केला ही नहीं, इसके छिलके से भी मिलते हैं कई चमत्कारी फायदे

केला एक ऐसा फल है जो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद होता है। यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अक्सर केला खाने के बाद उसका छिलका फेंक दिया जाता है लेकिन इसके छिलके में केले से भी ज्यादा गुण होते हैं। केले के छिलके में कार्बोहाइड्रेट, मैग्नीशियम, पोटेशियम और विटामिन बी6 और बी12 भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर के लिए बहुत जरूरी होते हैं। केले के छिलके का इस्तेमाल करके शरीर से जुडी कई समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

आइए जानिए इसे इस्तेमाल करने का तरीका और फायदों के बारे में

1. सिरदर्द
कई बार सिर में तेज दर्द होता है जिसे सहना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में केले के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बना लें और उसे माथे पर लगाएं। 15 मिनट के बाद इसे पानी से साफ कर लें, इससे दर्द तुरंत ठीक हो जाएगा।

2. चमकदार दांत
दांतों के पीलेपन को दूर करने के लिए भी केले के छिलके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए रोजाना दांतों पर केले का छिलका रगड़ें जिससे दांत चमकदार बनेंगे।

3. मस्से
शरीर के किसी भी अंग पर मस्से हो जाएं तो उस पर रात को सोने से पहले केले का छिलका रखें और कपड़े से बांध लें। सुबह तक मस्सा निकल जाएगा।

4. मुंहासे
चेहरे पर मुंहासे होने पर केले के छिलका को मसलकर उसे प्रभावित जगह पर लगा लें और 5 मिनट के बाद चेहरे को धो लें।

5. झुर्रियां
बढ़ती उम्र के साथ ही चेहरे पर झुर्रियों के निशान पड़ जाते हैं। ऐसे में केले के छिलके को पीसकर उसमें अंडे का पीला भाग मिलाएं और पैक तैयार को चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरे को धो लें। हफ्ते में 2 बार इस पैक का इस्तेमाल करने से झुर्रियां दूर होंगी और त्वचा में निखार भी आएगा।

6. जलन होने पर
शरीर के किसी भी हिस्से पर जलन हो तो वहां छिलके को पीसकर लगाने से आराम मिलता है। इसके अलावा किसी कीड़े के काटने या गर्म बर्तन लग जाने की वजह से भी शरीर पर जलन होने लगती है। ऐसे में उस जगह पर केले का छिलका रगड़ने से राहत मिलती है।

आपके शरीर में ही मौजूद है वजन कंट्रोल करने का तरीका !

आजकल गलत खानपान और रहन-सहन की वजह से बहुत से लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। यही वजह है कि वे जल्द ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते है कि वजन को कंट्रोल करने का तरीका आपके शरीर में ही मौजूद है, बस जरूरत है तो इस पर काम करने की। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिससे आप बिना कोई कसरत किए अपने वजन पर कंट्रोल कर सकते हैं। दरअसल हमारे शरीर में मौजूद सैकड़ों बिंदुओं में से 4 बिंदु ऐसे है, जिन पर दबाव डालने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होता है।

- हमारे चेहरे पर नाक के नीचे और होठों से ठीक ऊपर एक बिंदु होता है। इस स्थान पर 5 मिनट तक दबाव डालने से भूख कंट्रोल होती है और आप अधिक खाने से बचते हैं। यह बेचैनी और तनाव आदि समस्याओं से भी छुटकारा दिलाता है। इसे दिन में 2 बार करें।
- हाथों के बीच में टखने से ऊपर मौजूद इस बिंदु पर दबाव डालने से शरीर का तापमान सामान्य रहता है, जो शारीरिक वजन सही होने के लिए बहुत जरूरी है। इस बिंदु से शरीर की ऊर्जा बाहर निकलती है और वजन तेजी से कम होता है। इस बिंदु पर 1 मिनट तक दबाव डालें और दिन में 2 से 3 बार करें।
- यह बिंदु आपके दोनों पैरों के बीच में मौजूद है। इस पर कम से कम 10 मिनट तक उंगली से हल्की मसाज करें। इस क्रिया को दोनों पैरों में दिन में 9 बार दोहराएं। यह खाने को आसानी से पचाता है और भूख भी कम लगती है।
- अधिक तनाव में रहने से भी वजन तेजी से बढ़ता है। इससे बचने के लिए कान के इस बिंदु पर अंगूठे से 3 मिनट तक दबाव बनाएं। यह क्रिया दिन में 3 बार दोहराएं।

नींबू के छिलके से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा घुटनों का दर्द

आजकल बड़े ही नहीं बल्कि हर किसी को घुटने में दर्द की समस्यां रहती है। घुटने में दर्द की समस्यां आज के समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों को हो रही है। इस बीमारी से छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग दवाइयों का इस्तेमाल करते है लेकिन इन दवाइयों से आराम बी नहीं मिलता और सेहत को भी नुकसान होता है। घुटनों के दर्द से छुटकारा पाने के लिए आज हम आपको ऐसे घरेलू तरीके बताएंगे जिससे आपकी सेहत को भी नुकसान नहीं होगा और इस दर्द से आपको छुटकारा भी मिल जाएगा।

पट्टी बनाने का तरीका

1. इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक रोल की हुई सर्जिकल पट्टी, 2 चम्मच नारियल का तेल और तीन नींबू ले आएं।
2. एक नींबू लेकर कद्दूकस या दूसरे किसी तरीके से इसके छिलके को निकाल कर एयर टाइट कंटेनर में रख दें।
3. अब इसमें नारियल तेल मिलाकर जार को कम से कम दो दिनों तक बंद करके रख दें।
4. दो दिन बाद इसे निकालने के बाद पट्टी में रखकर घुटनों में अच्छी तरह से बाधं लें। पूरी रात दर्द वाली जगह पर इसे बाधंने से आपका दर्द सुबह तक गायब हो जाएगा।
5. रोजाना इस अपचार को करने से आपका दर्द कुछ ही दिनों में गायब हो जाएगा। इसके अलावा घुटनों मों सूजन होने पर नींबू को उस जगह पर रगड़े। ऐसा करने से घुटनों की सूजन गायब हो जाती है।

नए खेल मंत्री राज्यवर्धन बोले

इस देश में सिर्फ खिलाड़ी हैं वीआईपी

नई दिल्ली। देश के सियासी इतिहास में पहली बार है कि एक खिलाड़ी खेल मंत्री बना है। एथेंस ओलंपिक में रजत पदक जीत चुके राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खेल मंत्रालय का पद संभालते हुए कहा कि मेरा सफर इस मंत्रालय में रिसेप्शन से शुरू हुआ। पदभार ग्रहण करने के बाद राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ-साथ पूरे देशवासियों का धन्यवाद करना चाहूंगा। भारतीयों में बहुत क्षमता है खासतौर से युवाओं में, पूरे विश्व के भीतर बेहतरीन प्रदर्शन की क्षमता भारतीयों में है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी के लिए सम्मान होना चाहिए और जो देश के लिए खेल रहे उन्हें पूरी सुविधा मिलनी चाहिए। खेल सिर्फ

मनोरंजन के लिए नहीं होते हैं और न ही इन्हें कॉलेज या स्कूल तक सीमित रखा जाना चाहिए। ओलंपिक में देश का नाम रोशन करने वाले निशानेबाज ने कहा कि खेल आपको सिखाता है कि आपको अपना जीवन कैसे बिताना है। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें, कॉरपोरेट, माता-पिता और खेल संस्थान सब को एकजुट होकर इसको एक जीने का तरीका बनाना होगा। हर राज्य बेहतरीन से बेहतरीन खिलाड़ी देश के लिए खेलने को भेजें। राज्यवर्धन ने कहा कि इस पूरे मंत्रालय के अंदर जो माहौल है, उसे बदलना बहुत जरूरी है। खेलों की तरफ हमारा रवैया बदलना जरूरी है। हम तमाम स्कीमों को बेहतर करने का काम करेंगे। उनकी खामियां दूर करेंगे। जमीन पर स्कीमों को सही तौर से लागू करेंगे। खिलाड़ी के लिए उसका काम करना और आसान करेंगे। खेल मंत्रालय का काम ही यही है। एक खिलाड़ी की तैयारी के लिए हमारी कोशिश उसे बेहतरीन सुविधा देने की होगी।

रिसेप्शन से शुरू हुआ खेल मंत्रालय में सफर

राठौड़ ने कहा कि मेरा सफर यहां पर रिसेप्शन से शुरू होता है। इस मंत्रालय मैं जानता हूं और यह भी कि एक खिलाड़ी के रूप में क्या दिक्कत आती है। मेरा यकीन है कि इस मंत्रालय में बहुत से अच्छे अधिकारी हैं, जिसके चलते न सिर्फ मुझे, बल्कि अन्य खिलाड़ियों को भी सहारा मिला। उन्होंने कहा कि मैं सबकी उम्मीदों को पहले भी उठाता रहा हूं और यह मेरे लिए पहली चुनौती थी, जब मैंने खेलना शुरू किया था। लेकिन, एक खिलाड़ी हारने से नहीं हारता। मैं हर उस चीज की शुरूआत करूंगा जिसकी जरूरत भारतीय खिलाड़ियों को है। इसके लिए मुझे हर खिलाड़ी और हर एक देशवासी का साथ चाहिए, क्योंकि माहौल बदलना है। सबसे युवा देश खेलों में भी सर्वप्रथम हो सकता है। यह माहौल हम सब मिलकर बदल सकते हैं।

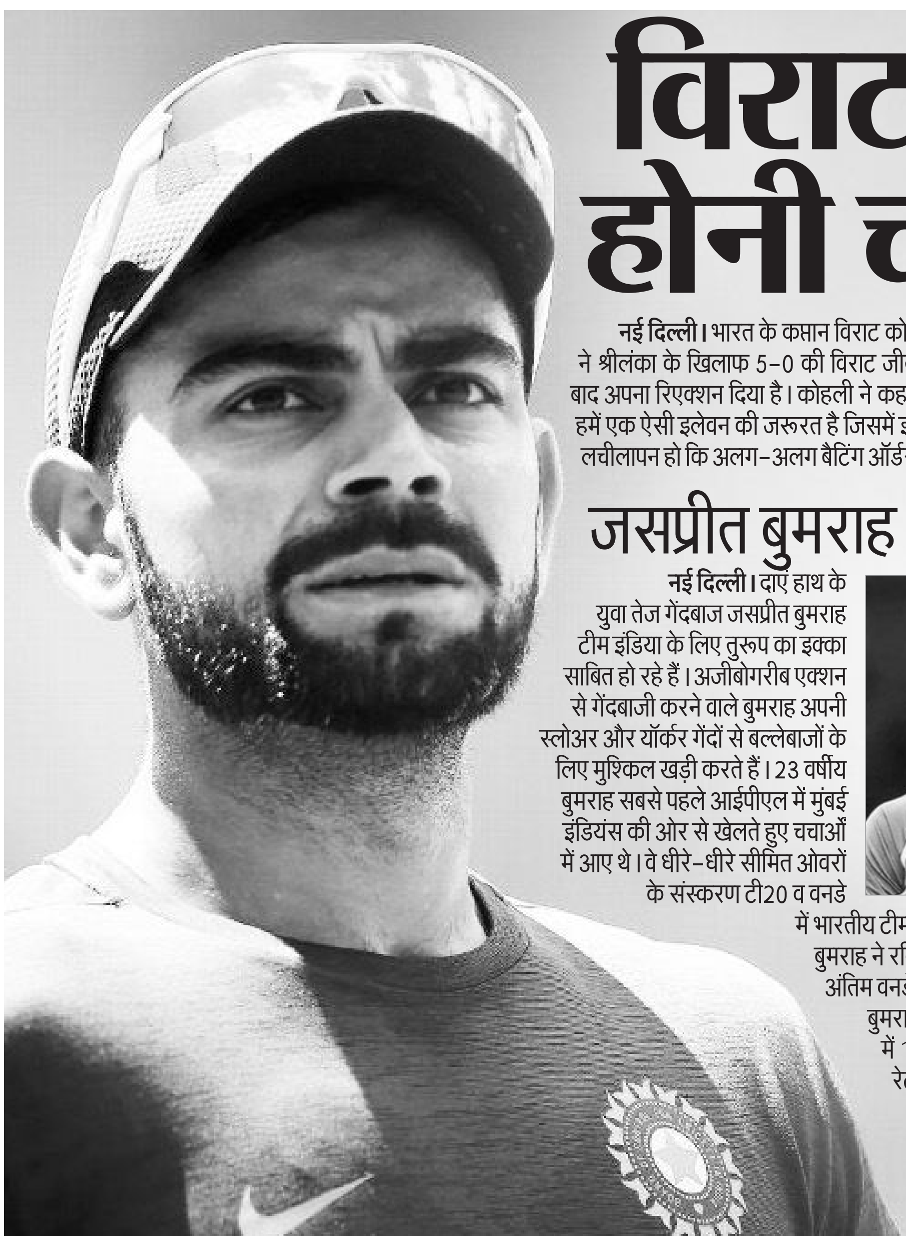

विराट की नजर में ऐसी होनी चाहिए टीम इलेवन

नई दिल्ली। भारत के कप्तान विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ 5-0 की विराट जीत के बाद अपना रिएक्शन दिया है। कोहली ने कहा कि हमें एक ऐसी इलेवन की जरूरत है जिसमें इतना लचीलापन हो कि अलग-अलग बैटिंग ऑर्डर पर अलग-अलग बल्लेबाजों को आजमाया जा सके या ऐसे बॉलर हों जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी भी कर सकें। हम दूसरों को आकलन का मौका नहीं देना चाहते हैं लिहाजा कोई पैटर्न अभी तय नहीं है। हाल ही में खत्म हुई सीरीज के बारे में उन्होंने स्पिन तिकड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, स्पिनरों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अक्षर ने बल्लेबाजों को दबाव बनाने का मौका नहीं दिया। अपने कद की वजह से उसे एक्स्ट्रा बाउंस हासिल करने में मदद मिली और एक्स्ट्रा स्पीड भी मिली। कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने भी अपनी छाप छोड़ी।

जसप्रीत बुमराह ने किया कमाल

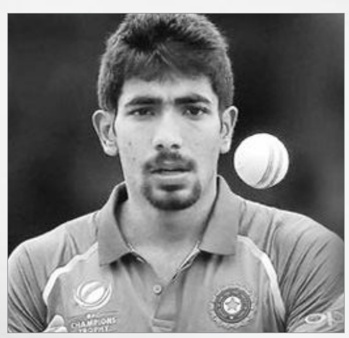

नई दिल्ली। दाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया के लिए तुरूप का इक्का साबित हो रहे हैं। अजीबोगरीब एक्शन से गेंदबाजी करने वाले बुमराह अपनी स्लोअर और यॉर्कर गेंदों से बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी करते हैं। 23 वर्षीय बुमराह सबसे पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए चर्चाओं में आए थे। वे धीरे-धीरे सीमित ओवरों के संस्करण टी20 व वनडे में भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करते जा रहे हैं। बुमराह ने रविवार को कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम वनडे में भी दो विकेट झटके। इसके साथ ही बुमराह ने सीरीज के पांच मैच की पांच पारियों में 11.26 के औसत व 3.90 के इकोनॉमी रेट से 15 विकेट चटकाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27/5 विकेट है। बुमराह पांच या इससे कम मैच की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सौ स्टंपिंग के साथ धोनी ने रचा इतिहास

कोलंबो। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने श्रीलंका के खिलाफ यहां पांचवें और अंतिम मैच में एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैचों में 100 स्टंपिंग करने का रिकॉर्ड बनाया और इस रिकॉर्ड के साथ ही वे विश्व के पहले ऐसे विकेटकीपर बन गये जिसने सौ स्टंपिंग किया है। धोनी ने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की गेंद पर अकिला धनंजय को स्टंप करके अपने 301वें एकदिवसीय मैच में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले वे श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के साथ 99 स्टंपिंग के रिकॉर्ड के साथ पहले स्थान पर थे लेकिन अब उन्होंने संगकारा को पीछे छोड़ दिया है। संगकारा के नाम 404 मैच में 99 स्टंपिंग दर्ज है, जबकि धौनी ने यह रिकॉर्ड 301 मैच में बनाया है। स्टंपिंग के मामले में धोनी ने कुमार संगकारा को तो पछाड़ दिया है लेकिन मैक्सिमम डिसमिसल के नाम पर वे अब भी धोनी से आगे हैं। इस लिस्ट में धौनी को चौथा स्थान प्राप्त है। संगकारा 482 डिसमिसल जिसमें 383 कैच और 99 स्टंपिंग शामिल है के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि एडम गिलक्रिस्ट 472 डिसमिसल 417 कैच, 55 स्टंपिंग के साथ दूसरे और एमवी बूचर 424 डिसमिसल 402 कैच और 22 स्टंपिंग के साथ लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। धोनी का नंबर चौथे स्थान पर जिसमें उनके नाम 383 डिसमिसल शामिल है, जिसमें 283 कैच और 100 स्टंपिंग शामिल है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिक्स पैक एब्स बना रही है प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा सिक्स पैक एब्स बना रही है। प्रियंका ने फिल्म मैरीकॉम में बॉक्सर मैरीकॉम जैसा दिखने के लिए काफी मेहनत की थी। प्रियंका एक बार फिर अपने शरीर की सीमाओं को पुश करने का मन बना रही हैं। प्रियंका हॉलीवुड फिल्म इसंट इट रोमांटिक के लिए सिक्स पैक ऐब्स बना रही हैं। फिल्म में वह योग सिखाने वाली महिला की भूमिका में हैं। प्रियंका ने कुछ दिन पहले न्यूयॉर्क में इस फिल्म के कुछ सीन भी शूट किए थे। इसंट इट रोमांटिक का निर्देशन टॉड स्ट्रॉस शकलसन कर रहे हैं। प्रियंका ने हॉलिवुड ड्रामा सीरीज क्वांटिको के लिए भी अपनी बॉडी पर काफी मेहनत की थी और वह एक बार फिर रोल की डिमांड को ध्यान में रखते हुए कुछ ऐसा कर दिखाने की कोशिश कर रही हैं जो पुरुष अभिनेताओं के लिए भी कई बार मुश्किल होता है।

टीवी पर अभी काम करने के मूड में नहीं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अभी टीवी पर काम करना नही चाहती है। भूमि ने निर्देशक जोया अख्तर के साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर एक शोर्ट की थी। लव एंड लस्ट नाम की इस शोर्ट फिल्म के बाद भूमि ने फिर से बॉलीवुड की तरफ रुख कर लिया। भूमि फिर से स्माल स्क्रीन पर कदम रखेगी। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा , 'मुझे लगता है, अभी तो नहीं! मैं सोर्फ करना चाहती हूं। मैं अपनी जिन्दगी में यही करना चाहती थी और अब मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इतनी अच्छी मिल रही हैं।' भूमि ने अपने तीन साल फिल्मी कैरियर में तीन फिल्में की हैं और इनमें से दो ने तो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा बिकानस किया है। उनकी हाल ही में शुभ मंगल सावधान रिलीज हुयी है। वह जल्द ही अभिषेक चौबे की फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत के साथ नकार आएंगी। भूमि और सुशांत दोनों ही इस फिल्म में चम्बल के डाकुओं का किरदार निभाएंगे।

जब पैसों के लिए रणबीर की मां को चलाना पड़ा था सैलून

बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर आज 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। ऋषि ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट पहली बार पापा राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर'(1970) में काम किया था। इसके लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। हालांकि ऋषि की बतौर हीरो पहली फिल्म 1973 में आई 'बॉबी' रही जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

ऋषि और नीतू 1973 से 1981 से एकसाथ 12 फिल्मों में काम किया। ऋषि को इंडस्ट्री में सबसे क्यूट और बेहतरीन एक्टर माना गया है लेकिन बात अगर उनकी पर्सनल लाइफ की करें तो उनकी पत्नी और एक्ट्रैस नीतू सिंह से उनका काफी प्यार आज सुर्खियों में हैं। लेकिन इनके लव लाइफ में काफी उतार चढ़ाव आए। इसी बीच दोनों में प्यार हुआ और लंबे टाइम तक डेटिंग के बाद 22 जनवरी

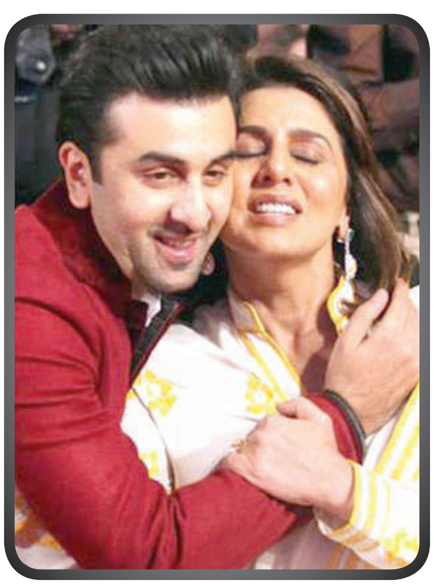

1980 में शादी कर ली थी। लेकिन 1990 से इनके रिश्तों में काफी सारी परेशानियां आने लगीं। खबरें आईं कि नशे में उन्होंने नीतू पर कई बार हाथ भी उठाया।

इस वजह से परेशान होकर नीतू ने लीगल कदम उठाया और पति के खिलाफ डोमेस्टिक वॉइलेंस का केस दर करा दिया। यही नहीं खबरें तो यहां तक आई कि नीतू, ऋषि से इतना परेशान को गई थीं कि उन्होंने घर छोड़ दिया। जैसा कि नीतू ने शादी के बाद फिल्मों में काम करना बंद कर दिया था ऐसे में उन्होंने पैसों के लिए खुद का सैलून खोलकर चलाना शुरू कर दिया था। कुछ टाइम बाद दोनों के रिश्तों में प्रॉब्लम्स थोड़ी कम हुई और नीतू ने वापस आकर पति ऋषि और बच्चों के संभालना बेहतर समझा।